आज का सुविचार

जिसे पुस्तक पढ़ने का शौक है वह सब जगह सुखी रहता है।
- महात्मा गाँधी

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-41 भोपाल, बुधवार 22 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष शुक्ला
सप्तमी, बुधवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:56/5:38
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	29 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 50,090

शेयर सूचकांक

बीएसई	56319.01	+497.00
निफ्टी	16770.85	+156.65

भारत में ओमिक्रॉन केस 200 पार : महज 20 दिन में देश के 13 राज्यों में पहुंचा नया वैरिएंट, दिल्ली और महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा संक्रमण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में ओमिक्रॉन संक्रमण के मामले 200 के पार हो गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में दिल्ली और महाराष्ट्र शामिल हैं। दोनों राज्यों में ओमिक्रॉन के 54-54 मामले मिले हैं। इसमें खतरे की बात यह है कि देश में पहले 100 मामले 15 दिन में मिले थे, लेकिन 100 से 200 मामले होने में सिर्फ 5 दिन का समय लगा। देश में ओमिक्रॉन के सबसे पहले दो मामले 2 दिसंबर को कर्नाटक में मिले थे। 14 दिसंबर को मामले बढ़कर 50 हुए। 17 दिसंबर को मामलों की संख्या 100 हुई। अगले 100 केस होने में सिर्फ 5 दिन लगे। देश के 13 राज्यों में ओमिक्रॉन के मामले सामने आए हैं। ओमिक्रॉन के बारे में दुनियाभर के वैज्ञानिकों का कहना है कि इसकी संक्रमण दर बहुत ज्यादा है। देश में ओमिक्रॉन के आंकड़ों को देखकर कहा जा सकता है कि इसके संक्रमण की रफ्तार बढ़ गई है। डॉ. पॉल ने कहा था कि दुनिया में दूसरे नंबर पर भारत में जीनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है और इसे लगातार बढ़ाया ही जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर केस की जीनोम सीक्वेंसिंग करना संभव नहीं होगा। यह बीमारी को पहचानने का नहीं, बल्कि महामारी का आकलन और इसकी निगरानी करने का टूल है। हम इस बात का भरोसा दिला सकते हैं कि फिलहाल पर्याप्त सिस्टमैटिक सैंपलिंग की जा रही है।

अमेरिका में ओमिक्रॉन से पहली मौत दर्ज हुई

अमेरिका के टेक्सास में ओमिक्रॉन वैरिएंट से पहली मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस व्यक्ति ने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगवाई थी। मृतक की उम्र 50-60 साल के बीच बताई जा रही है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक 11 दिसंबर को समाप्त हुए हफ्ते में नए कोरोना केस में 73.2त्न मामले ओमिक्रॉन के हैं। इससे पहले ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के चलते एक शख्स की मौत हो चुकी है। भारत में नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा था कि अगर हम ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के संक्रमण का पैमाना देखें और भारत की आबादी से उसकी तुलना करें तो कहा जा सकता है कि संक्रमण फैलने पर भारत में रोजाना 14 लाख केस आएंगे।

प्रयागराज से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : बोले-

मुझे पूरा भरोसा है, इस नई यूपी को कोई वापस अंधेरे में नहीं धकेल सकता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रयागराज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का पूरा फोकस आधी आबादी पर रहा। यहां महिलाओं को संबोधित करते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि इस नई यूपी को कोई वापस अंधेरे में नहीं धकेल सकता। 5 साल पहले यूपी की सड़कों पर गुंडों का राज था। संभावनाएं भी हैं। व्यापार भी हैं। मोदी ने कहा कि देश भर के सैनिक स्कूलों में बच्चियों को एडमिशन देने का फैसला हमने किया। तीन तलाक के खिलाफ कानून हमारी सरकार ने बनाया। बिना किसी भेदभाव के डबल इंजन की सरकार बेटियों के जीवन को सुनहरा बनाने के लिए काम कर रही है। बेटियों की शादी की उम्र 18

बेटियों का स्कूल कॉलेज जाना मुश्किल था। कुछ कह नहीं सकती थीं, बोल नहीं सकती थीं। थाने गईं तो बलात्कारी की सिफारिश में फोन आ जाता था। योगी जी ने गुंडों को उनकी सही जगह पहुंचाया है। आज यूपी में सुरक्षा भी है, अधिकार भी है, साल थी। बेटियां चाहती थीं, उन्हें भी आगे बढ़ने के लिए समय मिले। इसलिए शादी की उम्र 21 साल करने का प्रयास किया जा रहा है। देश ये फैसला बेटियों के लिए कर रहा है। लेकिन किसको इससे तकलीफ हो रही है, ये सबको पता है।

मोदी के भाषण की बड़ी बातें

- यूपी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 30 लाख से अधिक घर बने। इसमें 25 लाख घरों की रजिस्ट्री में महिलाओं का ही नाम है। यही तो सच्चा सशक्तिकरण है।
- स्वसहायता समूह राष्ट्रसहायता समूह है। पिछले पांच सालों में इसमें 13 गुना बढ़ोत्तरी की गई है। महिलाओं के लिए हमारी सरकार उनकी मुश्किलों को देखते हुए फैसले ले रही है।
- कोरोना के दौर में आपके घर का चूल्हा जलता रहे,इसके लिए मुफ्त राशन देने की योजना हमारी सरकार ने ही चलाई।
- पोषण वाला राशन अब महिलाएं खुद बनाएंगी। ये बहुत बड़ा काम है। सालाना हजारों करोड़ रुपए का काम है। जिन 202 पुष्टाहार यूनिट का आज शिलान्यास हुआ है, उससे महिलाओं की आमदनी बढेंगी। महिलाएं अपनी फैक्ट्री में पुष्टाहार बनाने के लिए गांव से ही खरीदेंगी। यही सशक्तिकरण के प्रयास है। इनसे महिलाओं का जीवन बदलेगा।
- बेटियों को स्कूल न छोड़ना पड़े, इसके लिए काम किया है। हमारी सरकार बेटियों को आगे बढ़ाने में पीछे नहीं रही है। सुकन्या सुमंगला योजना के तहत ढाई करोड़ बेटियों के अकाउंट खोले गए हैं। स्वास्थ्य भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालय बनाए। उज्जवला योजना में गैस सिलेंडर दिए। इससे उनके जीवन में सुविधा बढ़ी और गरीमा भी बढ़ी। आयुष्मान योजना के तहत भी सबसे ज्यादा फायदा बहनों को ही मिला है।
- यूपी में नारी सशक्तिकरण के लिए जो काम हुआ है, वो पूरा देश देख रहा है। एक लाख महिलाओं के खाते में मुझे करोडों रुपए ट्रांसफर करने का सौभाग्य मिला। ये योजना भरोसे का माध्यम बन रही है। यूपी ने बैंक सखी शुरू किया है, ये महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव ला रहा है।

पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस-भाजपामें ट्विटर वार,

नरोत्तम मिश्रा और विवेक तन्खा के बीच बहस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण मुद्दे पर कांग्रेस-बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप बढ़ता ही जा रहा है. वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा की तरफ से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस भेजने के बाद प्रवक्ता और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है. नरोत्तम मिश्रा ने अपने वीडियो बयान को ट्वीट करते हुए कहा, ओबीसी मामले पर कांग्रेस नेता प्रायश्चित करने के बजाय नोटिस भेजने का काम कर रहे हैं. विवेक तन्खा जी आपको तो मानहानि के 10 करोड़ रुपए मिल जाएंगे, लेकिन प्रदेश के पांच करोड़ पिछड़ों को क्या मिलेगा, इसकी भी थोड़ी चिंता कर लेते? गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के इस वीडियो बयान का जवाब राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने ट्विटर पर दिया. उन्होंने पहले ट्वीट में लिखा, नरोत्तम जी भाजपा लीडर्स के पास अच्छा पैसे है इसकी आपको पूर्ण जानकारी है. आपको आश्वस्त करता हूं पूरे 10 करोड़ गरीब जनता जिसमें OBC, SC- ST अधिकतर होंगे की चिकित्सा स्वास्थ्य और शिक्षा पर ही खर्च करूंगा. विवेक तन्खा ने बैक टू बैक दूसरे ट्वीट में कहा, और ओबीसी की लड़ाई भी कांग्रेस ही लड़ेगी. उन्होंने कहा कि पहले भी हम थे और आगे भी हम सब होंगे. मध्य प्रदेश सरकार से आग्रह है कोर्ट में समर्थन जरूर करियेगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मध्य प्रदेश के पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण खत्म कर सीटों को जनरल करने का आदेश आने के बाद राजनीतिक बवाल मचा है. बीजेपी ने हमलावर होते हुए विवेक तन्खा पर सीधे ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगा दिया. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ आवास एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र सिंह और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस के साथ तन्खा पर व्यक्तिगत आरोप लगाए. आरोप पर तन्खा ने तीनों नेताओं को 10 करोड़ की मानहानि का नोटिस भेज दिया है. अब इसी नोटिस पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है।

कश्मीर से उत्तर भारत तक हाड़ कंपाती ठंड

नईदिल्ली। समूचा उत्तर भारत कड़ाके की सर्दी से कांप रहा है। मैदानों में शीतलहर और पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। इधर, आज से कश्मीर में 40 दिनों तक चलने वाला तीखी सर्दी का दौर चिल्लई कलां शुरू हो गया है। इस दौरान बर्फबारी काफी बढ़ जाती है। चिल्लई कलां की शुरुआत के साथ ही श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील भी जमनी शुरू हो गई है। इसके बाद घाटी में जनवरी के आखिर तक तापमान सब-जीरो के आसपास ही रहता है। कश्मीर में मंगलवार सुबह 10 बजे तापमान 3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

लोकसभा में पेश हुआ बाल विवाह निषेध संशोधन अधिनियम

नई दिल्ली। देश में लड़कियों की शादी की वैधानिक उम्र को 18 से बढ़ाकर 21 करने का अधिनियम आज लोकसभा में पेश किया गया। महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी बाल विवाह निषेध (संशोधन) अधिनियम, 2021 को पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच यह बिल संसदीय को समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया। समिति इस बिल की विस्तृत जांच करेगी।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर तोड़ा गया, 1 व्यक्ति गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदू मंदिर को तोड़े जाने का मामला सामने आया है। सोमवार को कराची के रणछोड लाइन इलाके में एक व्यक्ति मंदिर में घुसा और देवी की मूर्ति को तोड़ दिया। उसने हथौड़े से देवी की मूर्ति पर हमला किया था। पाकिस्तानी पत्रकार वीनगास के मुताबिक, पिछले 22 महीने में पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर 9वीं बार हमला हुआ है।

ड्रग्स केस में अकाली नेता पर केस : पूर्व मंत्री मजीठिया अंडरग्राउंड

पंजाब पुलिस की सुरक्षा छोड़ी; डिप्टी सीएम रंधावा बोले- गिरफ्तार करेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पंजाब

पंजाब की सियासत में नया धमाका हो गया है। चन्नी सरकार ने आधी रात को अकाली नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। यह केस मोहाली में ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने स्टेट क्राइम पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है। मजीठिया के खिलाफ ड्रग्स केस को लेकर लगातार आरोप लगाए जा रहे थे। यह केस NDPS एक्ट के तहत दर्ज हुआ है। गृह विभाग संभाल रहे डिप्टी सीएम सुखजिंदर रंधावा ने कहा कि मजीठिया को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर नशा बेचने वाले गिरफ्तार हो सकते हैं तो मजीठिया को भी पकड़ा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, अकाली दल को मजीठिया के खिलाफ केस की भनक पहले ही लग चुकी थी। मजीठिया के अंडरग्राउंड होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि वह पंजाब से बाहर जा चुके हैं। उनके साथ पंजाब पुलिस के जवान नहीं है। वह सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को साथ लेकर गए हैं। पूरे मामले की जांच के लिए पंजाब सरकार ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ढ्ढञ्ज) गठित कर दी है। जिसमें,ढ्ढत्र बलराज सिंह की अगुवाई में डीएसपी राजेश कुमार और कुलवंत सिंह को

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

कोरोना : संसद पहुंचा कोरोना संक्रमण, बीएसपी सांसद दानिश अली पॉजिटिव; कल तक सदन की कार्यवाही में शामिल थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच चिंताजनक खबर सामने आई है। कोरोना संक्रमण संसद तक पहुंच गया है। BSP सांसद कुंवर दानिश अली कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बाद भी उन्हें कोरोना संक्रमण हो गया है। उन्होंने अपने संपर्क में आए लोगों से टेस्ट करवाने और आइसोलेट होने को कहा है। चिंता की बात यह है कि कल तक वे संसद की कार्यवाही में शामिल रहे हैं। ऐसे में उनके संपर्क में आने वाले दूसरे सांसदों के भी संक्रमित होने का खतरा बढ़ गया है।

गोवा में ब्रिटेन से लौटे 4 यात्री कोरोना पॉजिटिव, आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती किए गए:- गोवा में ब्रिटेन से लौटे 4 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। गोवा के हेल्थ मिनिस्टर विश्वजीत राने ने बताया कि गोवा एयरपोर्ट पर सुबह सभी यात्रियों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिसमें 4 यात्री पॉजिटिव मिले। सभी संक्रमितों को आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है।

देश में ओमिक्रॉन संक्रमितों का आंकड़ा 200 पार; महाराष्ट्र और दिल्ली में सबसे ज्यादा संक्रमित:- देश में अब तक ओमिक्रॉन के 202 मामलों की पुष्टि हुई है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में दिल्ली और महाराष्ट्र शामिल हैं। दोनों राज्यों में ओमिक्रॉन के 54-54 मामले मिले हैं। ओडिशा में आज 2 नए संक्रमित मिले हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटो में 5,356 कोरोना केस मिले हैं। वहीं ओमिक्रॉन के 77 पेशेंट्स ठीक हो चुके हैं। गुजरात सरकार ने ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच राज्य के 8 प्रमुख शहरों में नाइट कर्फ्यू 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। कर्फ्यू का समय सुबह 1 बजे से सुबह 5 बजे तक रहेगा। इसमें अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, राजकोट, वडोदरा, भावनगर, जामनगर और जूनागढ़ शामिल हैं।

कल से इमरजेंसी सेवा भी नहीं देंगे; मरीजों के इलाज में होंगी दिक्कतें

भोपाल में जूडा का प्रदर्शनः OPD-OT जैसी रूटीन सेवाओं से दूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

GMC (गांधी मेडिकल कॉलेज) भोपाल के जूनियर डॉक्टरों ने नीट PG की काउंसलिंग में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए मंगलवार को रूटीन सेवाओं से फिर दूरी बना ली। इससे OPD और OT जैसी रूटीन सेवाएं ठप हो गईं। 22 दिसंबर से वे रूटीन के साथ इमरजेंसी सेवाएं भी नहीं देंगे। जूडा की हड़ताल से मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, क्योंकि जूडा ने मांगें पूरी न होने तक अनिश्चिकाल के लिए सेवाएं बंद करने की बात कही है। जूनियर डॉक्टर रीढ़ कहे जाते हैं। वे ही मरीजों की जांच के साथ उन्हें प्रायमरी इलाज देते हैं। उनके रूटीन और इमरजेंसी दोनों ही सेवाओं से दूरी बनाने से 22 दिसंबर से तस्ष्ट में मरीजों के इलाज में मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। उन्हें इलाज मिलने में देरी हो सकती है, क्योंकि मरीजों को देखने और इलाज का पूरा लोड सीनियर डॉक्टरों पर आ जाएगा। वहीं, जयप्रकाश हॉस्पिटल में भी मरीजों का दवाब बढ़ेगा। ऐसे में गंभीर मरीजों को प्राइवेट हॉस्पिटल का रूख करना पड़ सकता है।

कैम्पस में घूमकर की नारेबाजी

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन GMC के आह्वान पर जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को रूटीन सेवाओं से दूरी बनाई। उन्होंने कैम्पस में घूमकर नारेबाजी भी की। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हरीश पाठक ने बताया, नीट क्क्ष की काउंसलिंग में हो रहे विलंब की वजह से क्क्ष छात्रों की पिछले 7 महीने से कमी हो रही है। इस कारण मौजूदा जूनियर डॉक्टरों पर काम का ज्यादा लोड आ गया है। जिससे मध्यप्रदेश समेत पूरे देश में जूनियर डॉक्टर परेशान हैं। इससे न सिर्फ उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है, बल्कि मरीजों को भी बराबर इलाज नहीं मिल पा रहा है। पूर्व में सांकेतिक रूप से आंदोलन कर चुके हैं। बावजूद अब तक न तो काउंसलिंग की गई और न ही अन्य मांगें पूरी की गई है।

देशव्यापी आह्वान पर प्रदर्शन

नीट PG की काउंसलिंग जल्द कराने की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के देशव्यापी आह्वान पर भोपाल में भी प्रदर्शन किया। अध्यक्ष डॉ. पाठक ने बताया, 21 दिसंबर से रूटीन सेवाएं बंद कर दी हैं और प्रदर्शन जारी है। 22 दिसंबर से रूटीन के साथ इमरजेंसी सेवाएं भी अनिश्चितकाल के लिए बंद कर देंगे।

ये 2 प्रमुख मांगें

नीट पीजी 2021 की काउंसलिंग जल्द से जल्द कराई जाए।

जब तक जूनियर डॉक्टर्स की नए एडमिशन से नहीं हो जाते, तब तक नॉन एकेडमिक जूनियर डॉक्टर की नियुक्ति कर जूनियर डॉक्टर्स का कार्यभार कम किया जाए। यह व्यवस्था राजस्थान में कर दी गई है। इसे मध्यप्रदेश में भी करने की मांग की जा रही है।

अभी सेकेंड ईयर के छात्रों पर ज्यादा है दवाब

GMC में आने वाले मरीजों के चेकअप से लेकर उनके प्रायमरी इलाज तक में जूनियर डॉक्टर की भूमिका रहती है। वर्तमान में फर्स्ट ईयर के छात्र आए नहीं है। वहीं, थर्ड ईयर के छात्र एग्जॉम में व्यस्त है। ऐसे में सेकेंड ईयर के छात्रों पर मरीजों के चेकअप-इलाज का जिम्मा आ गया है। वर्तमान में GMC में 300 से अधिक जूनियर डॉक्टर हैं।

भोपाल में सुसाइड

एक साल के बच्चे और पति को सोता छोड़ नवविवाहिता ने फांसी लगाई, ससुराल से 15 दिन से अलग रह रही थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में एक साल के बच्चे और पति को सोता छोड़कर एक नवविवाहिता ने फांसी लगा ली। बच्चा रात को जब रोने लगा, तो पति की नींद खुली। पत्नी के बच्चे के पास नहीं होने पर वह बच्चे को गोद में उठाकर अंदर वाले कमरे में पहुंचा तो पत्नी फांसी के फंदे पर मिला। दंपति करीब 15 दिन से ही माता-पिता से अलग रहे थे। पिपलानी पुलिस को सोमवार रात करीब सवा 12 बजे छत्रसाल नगर में एक महिला के फांसी लगाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान 24 साल की शालिनी पति संदीप श्रीवास्तव के रूप में हुई। पति संदीप ने बताया कि रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद वह पत्नी और एक साल के बच्चे के साथ बाहर वाले कमरे में सो गया। रात करीब 12 बजे बच्चा रोने लगा। उसके रोने की आवाज से उसकी नींद खुल गई, लेकिन शालिनी बिस्तर पर नहीं थी। बच्चे को उठाकर अंदर वाले कमरे में पहुंचने पर शालिनी फांसी के फंदे पर मिली। उसने दुपट्?टे से फांसी लगाई थी। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला।

ससुराल से 15 दिन पहले ही अलग हुई थी

पुलिस के अनुसार संदीप ने बताया कि उसका घर अशोका गार्डन में हैं। उसकी करीब ढाई साल पहले विदिशा में रहने वाली शालिनी से शादी हुई थी। वह करीब 15 दिन पहले ही 5 दिसंबर को अलग होकर छत्रसाल नगर में किराए से रहने आया। वह ड्राइवरी करता है। उसे समझ नहीं आ रहा कि शालिनी ने फांसी क्यों लगा दी।

एसीपी करेंगे जांच

मामला नवविवाहिता का होने के कारण एसीपी (हबीबगंज) करेंगे। मामले की जांच गोविंदपुरा एसीपी को सौंपी गई है। पुलिस ने शालिनी के मायके वालों को भी इसकी सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम के बाद मायके वालों के बयान दर्ज किए जाएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को शासकीय विश्वविद्यालय के कुलपति, टास्क फोर्स समिति के सदस्यों के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक संपन्न हुई।

महाराष्ट्रीयन कुनबी पाटिल समाज का 2022 का कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों द्वारा इस कैलेंडर का विमोचन किया गया घर-घर हो समाज का कैलेंडर इसी उद्देश्य के साथ महाराष्ट्रीयन कुनबी पाटिल समाज का 2022 का वार्षिक कैलेंडर छपवाया गया है समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए समस्त कार्यकारिणी का एक प्रयास था समाज के अध्यक्ष श्री प्रकाश आधार पाटिल ने बताया कैलेंडर के लिए समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने विज्ञापन के रूप में समाज को आर्थिक सहयोग दिया इस कैलेंडर को समाज के सभी सदस्यों को कार्यकारिणी घर-घर जाकर निशुल्क देगी समाज के प्रवक्ता एवं संयुक्त सचिव प्रकाश सुरेश पाटिल ने जानकारी देते हुए कहा कि इस कैलेंडर को मध्यप्रदेश में समस्त पाटिल समाज के संगठनों को एवं विधायक मंत्री कलेक्टर, शहर के प्रतिष्ठित लोगों को भेंट किया जाएगा इस अवसर पर समाज समिती के सचिव, कोषाध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री एवम सदस्य उपस्थित थे.

भोपाल में 9वीं का छात्र पॉजिटिव

भोपाल। राजधानी में यूके से लौटी छात्रों की कॉन्ट्रैक्ट ट्रैसिंग में 12 साल की बहन की रिपोर्ट भी कोरोना पॉजिटिव आई है। अब तक विदेश से लौटे 6 लोग पॉजिटिव आई है। इनकी कॉन्ट्रेक्ट ट्रैसिंग में यूके से लौटी 19 साल की छात्रा की 12 साल की बहन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वह एसिम्टोमेटिक है। वह घर पर होम आइसोलेशन में है। यह विदेश से लौटे लोगों की कॉन्ट्रेक्ट ट्रैसिंग में पॉजिटिव का पहला मामला है। इन सभी संक्रमितों की जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए सैंपल भेजे गए हैं। इनमें किसी की भी रिपोर्ट अभी नहीं आई है। जहांगीराबाद में नौवीं कक्षा के छात्र की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। नवोदय विद्यालय भेजने से पहले उसकी जांच कराई थी। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वह एसिम्टोमेटिक है।

न्यूज़ ब्रीफ

भोपाल में रेपः जिम में लड़की से दोस्ती की, तीन महीने अलग-अलग होटल ले जाकर किया दुष्कर्म

भोपाल। भोपाल में 20 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी से लड़की की पहचान जिम में हुई थी। तीन महीने से ज्यादती करने के बाद आरोपी शादी की बात सुनते ही गायब हो गया। चार महीने तक लड़की प्रेमी की तलाश करती रही, लेकिन जब वह नहीं मिला तो उसने पिपलानी थाने में स्न्ढ्ढक्र कराई।

पिपलानी पुलिस के अनुसार अयोध्या नगर में रहने वाली 20 साल की लड़की इंद्रपुरी स्थित एक जिम में जॉब करती है। उसने बताया कि इसी साल उसकी जिम में आने वाले अमित सिंह नाम के एक युवक से पहचान हुई। वह जिम में एक्सरसाइज के लिए आता था। कुछ दिन की दोस्त के बाद वह उसे निजामुद्दीन कॉलोनी स्थित होटल लेमनटी में ले गया। यहां एक कमरे में जबरदस्ती की।

लड़की के मुताबिक, अमित ने उसे शादी करने का वादा किया था। उसकी बातों में आकर उसने किसी को कुछ नहीं बताया। इसके तीन महीने तक उसने कई बार होटलों में ले जाकर उसके साथ गलत किया। 28 अगस्त को उसने आखिरी बार उससे होटल में ज्यादती की। जैसे ही शादी की बात की, जो वह आनाकानी करने लगा।

करीब चार महीने से उसकी तलाश करती रही, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। परेशान होकर उसे अमित के खिलाफ शिकायत करने थाने आना पड़ा। पुलिस ने आरोपी अमित के खिलाफ ज्यादती की धारा में अपराध दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में काला शीशम और बीजा का पौधा रोपा।

सरोजनी नायडू महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में सरा. `जनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उन्मुखीकरण का आयोजन हुआ ''आजादी का अमृत महोत्सव'' थीम पर कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न सांस्:तिक प्रस्तुतियां दी। बाल अधिकार संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम में संस्था की प्राचार्य डॉ प्रतिभा सिंह ने राष्ट्रीय सेवक छात्राओं के कोविड के समय कोविड हेल्पर के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया है उसके लिए एन.एस.एस. की पूरी टीम को बधाई दी। तथा कु. आचंल शर्मा आर. डी.सी. के लिए चयनित हुई यह बताया कार्यक्रम अधिकारी डॉ मंजुला विश्वास के मार्गदर्शन में वरिष्ठ स्वयंसेवक कु. शिवानी जयसवाल कु. आंचल शर्मा कु. अक्षिता शर्मा और कु. ज्योति पारदी ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया।

कार्यक्रम में वर्ष 2022 गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित कु. आंचल शर्मा का सम्मान किया गया और वरिष्ठ स्वयंसेवकों को मोमेंटो एवं मेडल प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ आर के विजय ने की डॉक्टर अनंत कुमार सक्सेना बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक एवं श्री राहुल सिंह कार्यक्रम अधिकारी ओपन इकाई ने सभी स्वयंसेवकों को संबोधित किया और अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए व्यक्तित्व विकास करने की प्रेरणा दी।

न्यूज ब्रीफ

स्वास्थ्य ढांचे की मजबूती होगा लक्ष्य

नई दिल्ली। बीते साल में भारत के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की परीक्षा हुई है। इसमें न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की कमी बल्कि उन्हें पहुंचाने की प्रणाली की कमजोरी भी उजागर हुई है। मई और जून 2021 में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से उजागर हुआ कि अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की बढ़ती तादाद और यहां तक कि गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बुनियादी ऑक्सीजन मुहैया कराने में भी देश की तैयारी कितनी कमजोर थी। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अब भारत की तैयारी काफी बेहतर है। उनके मुताबिक 2022 के पहले छह महीनों में मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बनाए रखने पर जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले साल बच्चों के टीकाकरण और पूर्ण टीकाकरण वाले लोगों को बूस्टर खुराक देने पर जोर रहने के आसार हैं। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के श्रीनाथ रेड्डी ने कहा, %हमें तेज प्रसार से बचने के लिए हर संभव कदम उठाने होंगे। अब लोग मानते हैं कि स्वास्थ्य में निवेश महत्त्वपूर्ण है लेकिन इस दिशा में और प्रयास किए जाने चाहिए।% इस महामारी का दुनिया भर में कहर जारी है। ओमीक्रोन स्वरूप का तेजी से प्रसार नई चिंता है। ऐसे में अब टीका विनिर्माता कोविड-19 के उपचारों के अलावा इन स्वरूपों पर कारगर टीके विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। महामारी को लेकर अनिश्चितता के बावजूद स्वास्थ्य को लेकर चर्चा बदल रही है। विश्व की अग्रणी दवा कंपनियों में से एक एसीजी के प्रबंध निदेशक करण सिंह ने कहा, %महामारी ने दुनिया भर में आपूर्ति शृंखला की अहम कमजोरियां उजागर की हैं और दवा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों को अपनी रणनीति बदलने को मजबूर किया है।% उन्होंने कहा कि भारत में 2022 और उससे आगे स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के नए मॉडल उभरेंगे, जो डिजिटलीकरण के लाभ लेकर एक लचीली मूल्य शृंखला पर बनेंगे। उद्योग के बहुत से लोगों का अनुमान है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम निवेश आएगा क्योंकि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपभोक्ता मांग बढ़ी है। स्वास्थ्य क्षेत्र की एक शीर्ष संस्था नैटहेल्थ-हेल्थकेयर फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हर्ष महाजन ने कहा, %स्वास्थ्य पर सरकार का जोर बना रहेगा क्योंकि इससे आर्थिक सुधार और हमारी सामूहिक सेहत को मदद मिलेगी। हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि स्वास्थ्य, खास तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर निवेश आर्थिक वृद्धि और अगले साल अहम राज्यों में चुनावों के मद्देनजर सरकारों संसाधनों के खर्च पर निर्भर करती है। इसलिए सरकार जिला अस्पताल, प्रयोगशाला बनाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 1.5 अरब डॉलर का ऋण लेकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है। पूर्व स्वास्थ्य सचिव सुजाता राव ने कहा, %ये ऋण प्रदर्शन आधारित हैं, जिसका मतलब है कि सरकार को यह धनराशि हासिल करने के लिए पहले खर्च करना होगा और अन्य गैर-राजकोषीय शर्तों का पालन करना होगा।

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का सर्वे : नवंबर में रिटेल बिक्री कोविड पूर्व से भी 6 फीसदी अधिक, हायरिंग डिमांड भी 9 फीसदी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की जीडीपी में 10 फीसदी से अधिक और कुल रोजगार में 8 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले रिटेल सेक्टर की बिक्री का पिछले 2 महीनों से कोविड-पूर्व स्तर से ज्यादा हो रही है। नवंबर में रिटेल बिक्री कोविड पूर्व यानी नवंबर 2019 से 6 फीसदी अधिक रही। वहीं 2020 की तुलना में यह बढ़ोतरी 16 फीसदी अधिक है। हालांकि इस साल अक्टूबर की तुलना में रिटेल सेक्टर की बिक्री में लगभग 5 फीसदी गिरावट आई है।

देश के पश्चिमी हिस्से में रिटेल बिक्री सबसे अच्छी

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री नवंबर में काफी अच्छी रही है, जो अक्टूबर में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। इसके अलावा देश में खेल गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद स्पोर्ट्स गुड्स की बिक्री में भी 2019 के मुकाबले 18 फीसदी ज्यादा रही है। देश के पश्चिमी हिस्से में रिटेल बिक्री सबसे अच्छी रही, जहां कोविड पूर्व स्तर से 11 फीसदी और सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़ोतरी देखने को मिली। पूर्वी और दक्षिणी भारत में रिटेल बिक्री कोविड पूर्व स्तर के 9 फीसदी अधिक हुई है, जबकि सालाना आधार पर यह क्रमश: 20 फीसदी और 11 फीसदी अधिक है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा कि देश में बिजनेस में सुधार नजर आ रहा है और हमें उम्मीद है कि यह सुधार जारी रहेगा। बीते माह हायरिंग डिमांड भी 9 फीसदी बढ़ी है। मोन्सटर एम्पलॉयमेंट इंडेक्स के मुताबिक, ऑफिस ऑटोमेशन इंडस्ट्री में जॉब पोस्टिंग सबसे ज्यादा 21 फीसदी है।

तुर्की में अर्दोआन की मनमानी से डूबती इकोनॉमी

गिरती करेंसी से बढ़ी महंगाई, सब्सिडी वाली ब्रेड के लिए लंबी लाइन और सड़कों पर प्रदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दुनिया में इस्लाम का खलीफा बनने की चाह रखने वाले राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन का देश तुर्की उसके दोस्त पाकिस्तान की ही तरह गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश की करेंसी लीरा लगातार कमजोर हो रही है और महंगाई दर 21 फीसदी को पार गई है। खाने-पीने के सामान की कीमतें इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि सब्सिडी पर सस्ती ब्रेड खरीदने के लिए दुकानों के बाहर लंबी लाइनें लगी हैं। तुर्की में ब्रेड लोगों के कल्चर का हिस्सा है और लगभग हर खाने के साथ ब्रेड परोसा जाता है। तुर्की के हालात आने वाले दिनों में और भी भयानक हो सकते हैं, क्योंकि राष्ट्रपति अर्दोआन इकोनॉमिक थ्योरीज के विपरीत चल रहे हैं। वे ब्याज दरों में लगातार कटौती कर रहे हैं। उनका दावा है कि वे महंगाई को 4 फीसदी पर ले आएंगे। तुर्की में 2018 में भी कुछ इसी तरह का संकट देखने को मिला था, लेकिन तब इसकी वजह अमेरिकी प्रतिबंध थे। वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अलग है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अर्दोआन की मनमानी देश की इकोनॉमी को पूरी तरह से डुबो देगी? वहां के लोगों के हालात कैसे हैं?

- तुर्की की करेंसी लीरा बीते एक महीने में डॉलर के मुकाबले 50% कमजोर हो चुकी है। 20 नवंबर 2021 को डॉलर के मुकाबले लीरा का भाव 11.23 था जो 20 दिसंबर को 16.76 हो गया। एक साल पहले डॉलर के मुकाबले लीरा का भाव 7.66 था।
- इंडियन करेंसी से लीरा की तुलना करें तो 20 नवंबर को एक लीरा का भाव 6.62 रुपए था। अब ये 4.54 रुपए पर आ गया है। यानी एक महीने पहले करेंसी एक्सचेंज कराने पर 100 लीरा 662 रुपए में मिल थी, लेकिन अब ये 454 रुपए में ही मिल जाएगी।
- 2007-2008 में लीरा काफी मजबूत थी। उस समय 100 लीरा करीब 3700 रुपए में मिलती थी। यानी उस समय भारतीयों के लिए तुर्की में शॉपिंग करना, घूमना-फिरना काफी महंगा था।

- इकोनॉमिक एक्सपर्ट बताते हैं कि 2003 में अर्दोआन जब सत्ता में आए तो महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शुरू किए और विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया। इससे तेजी से ग्रोथ होने लगी।

अर्दोआन के शासन का पहला दशक तुर्की के लिए इकोनॉमिक मिरेकल की तरह था। इस दौरान गरीबी आधी हो गई, लाखों लोग मध्यम वर्ग की श्रेणी में आ गए।

- लेकिन अर्दोआन की एग्रेसिव प्रो ग्रोथ स्ट्रेटेजीज धीरे-धीरे इकोनॉमी को अस्थिर करने लगी। अर्दोआन ने इसके बाद भी उधार लेना जारी रखा। विदेशी निवेशकों ने भी हाई इंटरेस्ट रेट की वजह से उधारी जारी रखी।

कारट्रेड का भी स्टॉक टूटा

पॉलिसी बाजार, नायका और जोमैटो के शेयर्स 13 फीसदी तक टूटे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट का असर नई लिस्टेड कंपनियों के शेयर्स पर भी पड़ा। नायका, जोमैटो, पॉलिसीबाजार, कारट्रेड जोन, पेटीएम जैसे शेयर्स 8 से 13 फीसदी तक गिर गए। पॉलिसी बाजार का शेयर तो आईपीओ के मूल्य से भी नीचे चला गया।

पॉलिसी बाजार 13.48 फीसदी गिरा

पॉलिसी बाजार का शेयर 13.48 फीसदी गिरकर 935 रुपए पर पहुंच गया। यह अपने इश्यू प्राइस 980 रुपए से भी नीचे आ गया है। हालांकि दिन में यह 886 रुपए तक गया था। यह इसका एक साल का निचला स्तर है। 17 नवंबर को यह 1470 रुपए पर था। वहां से अब तक इसमें 35 फीसदी की गिरावट आ गई है।

नायका का भी शेयर टूटा

इसी तरह से नायका का शेयर आज 7.32 फीसदी टूट गया। यह 1945 रुपए तक चला गया। एक साल का इसका ऊपरी स्तर 2574 रुपए था और आज यह एक साल के निचले स्तर 1886 रुपए तक चला गया था। नायका का शेयर आईपीओ के बाद अच्छा रिटर्न दिया था निवेशकों को। आईपीओ में इसका भाव 1100 रुपए था, जो 100 फीसदी बढ़ गया था। कारट्रेड का शेयर 4 फीसदी टूटकर 867 रुपए पर बंद हुआ। दिन में इसने 864 रुपए का निचला स्तर भी बनाया। इसने 1610 रुपए पर एक साल का ऊपरी स्तर बनाया और आज एक साल का निचला स्तर बनाया। यानी ऊपरी स्तर से इसमें 50 फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

बाजार की गिरावट में भी है कमाई का मौका, भारती एयरटेल और एसबीआई सहित ये 5 शेयर करा सकते हैं मोटी कमाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इन दिनों शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में निवेशकों में डर का माहौल बना हुआ है। हालांकि, एक्सपर्ट इसे एक मौके की तरह देख रहे हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि ऐसे समय में कुछ अच्छे शेयर्स में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया आपको 5 ऐसे शेयर्स बता रहे हैं जो आपका न्यू ईयर हैप्पी बना सकते हैं।

अच्छे शेयर्स में निवेश करके कमाएं पैसा

अजय केडिया निवेशक ऐसे समय में सही शेयर्स में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। उनके अनुसार इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ढ्ढञ्ज), बैंकिंग और

लॉजिस्टिक सेक्टर के शेयर्स में इस समय पैसा लगाना सही रहेगा।

SIP के जरिए करें निवेश

शेयर बाजार अपने ऊपरी स्तरों से काफी गिर गया है, लेकिन फिर भी यदि निवेशक अभी निवेश करना चाह रहे हों तो उन्हें एक मुश्त निवेश करने की बजाय किस्तों में करना चाहिए। इससे शेयर बाजार से संबंधित उतार चढ़ाव का जोखिम थोड़ा काम हो जाता है। आप थोड़ा संयम रखकर गिरते बाजार में भी फायदा कमा सकते हैं। अजय केडिया कहते हैं कि शेयर मार्केट में आज कल स्टॉक बास्केट का कॉन्सेप्ट चल रहा है। इसके तहत आप शेयर्स का एक बास्केट बनाते हैं और अपने सभी शेयर्स में निवेश करते हैं। यानी अगर आप इस 5 शेयर्स में कुल 25 हजार निवेश करना चाहते हैं तो सभी में 5-5 हजार रुपए लगा सकते हैं।

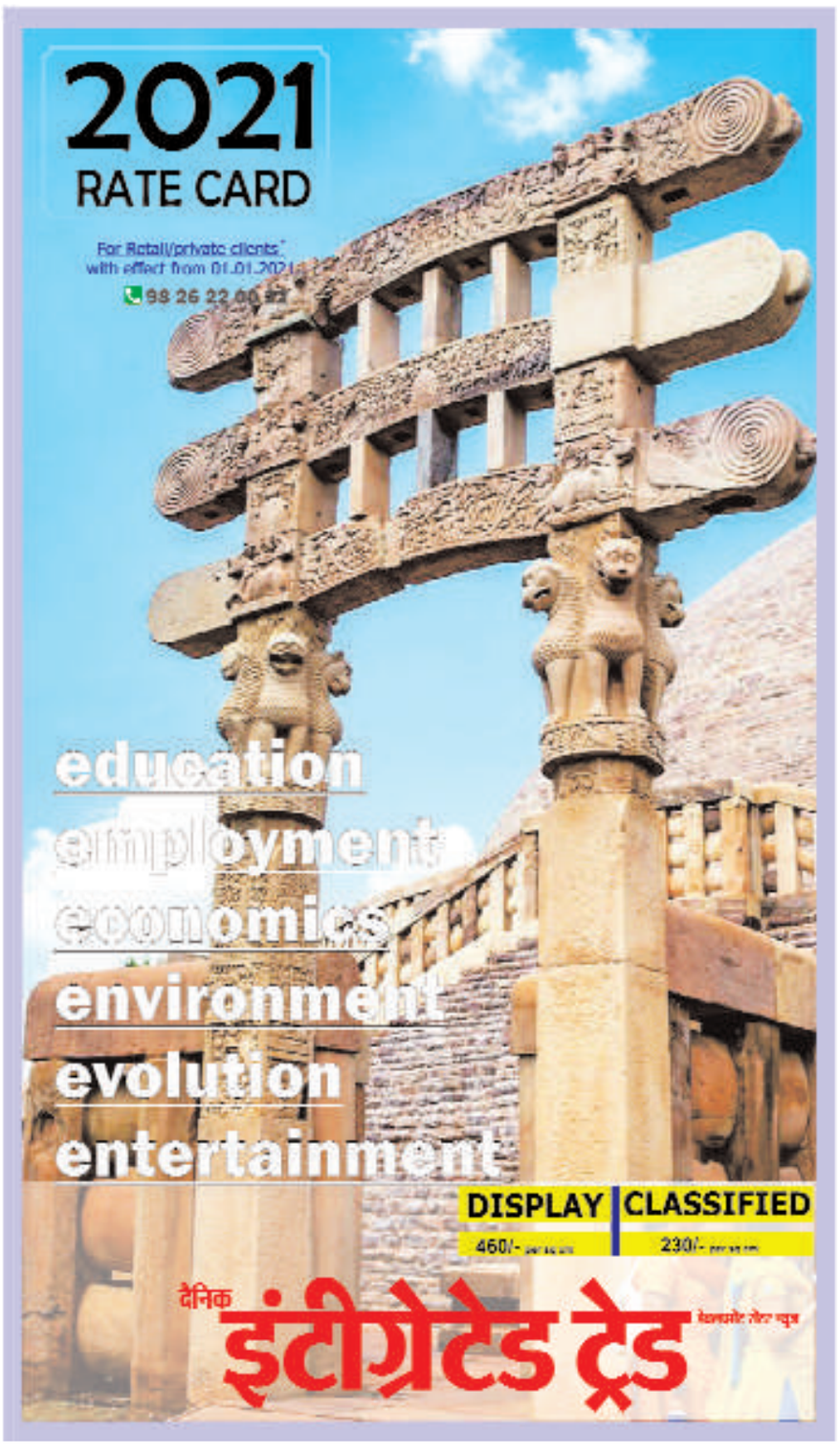

अतिक्रमण का रोगः झुग्गी बस्तियों में तब्दील होते जा रहे हैं हमारे बड़े शहर

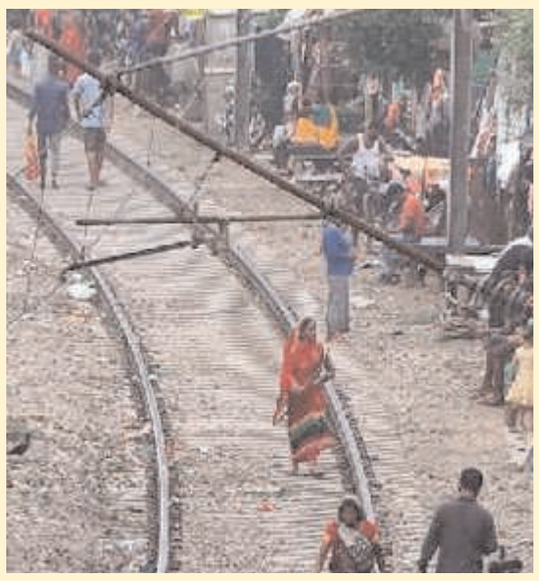

सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण पर चिंता प्रकट करते हुए यह जो टिप्पणी की कि हमारे बड़े शहर झुग्गी बस्तियों में तब्दील होते जा रहे हैं, उससे असहमत होना कठिन है। उसने यह भी सही कहा कि अतिक्रमण का यह सिलसिला 75 साल से चला आ रहा है और यह एक दुखदायी कहानी है। सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर भी पहुंचा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई न करना ही समस्या की जड़ है। उसने उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा, जिनकी वजह से अतिक्रमण होते हैं। वास्तव में जब तक ऐसे अधिकारियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक अतिक्रमण से छुटकारा मिलने वाला नहीं। यह समस्या कितनी गंभीर है, इसे इससे समझा जा सकता है कि कई शहरों में रेल पटरियों के किनारे अतिक्रमण के कारण रेलवे की प्रस्तावित परियोजनाएं पूरी नहीं हो पा रही हैं। इस सिलसिले में गुजरात के एक मामले का उल्लेख भी किया गया। ऐसे मामले अन्य प्रांतों में भी हैं, क्योंकि रेल पटरियों के किनारे अतिक्रमण एक राष्ट्रव्यापी समस्या है। यह विचित्र है कि रेलवे के पास अपनी पुलिस होते हुए भी वह अतिक्रमण खाली करा पाने में नाकाम है। बात केवल रेलवे की जमीनों पर ही अवैध कब्जे की ही नहीं है। अन्य सरकारी विभागों की जमीनों पर भी अतिक्रमण है। इसके चलते शहरों में झुग्गी बस्तियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसी झुग्गी बस्तियों को जब-तब नियमित भी किया जाता है। इससे सार्वजनिक जमीनों पर कब्जे की प्रवृत्ति को बल मिलता है और वह झुग्गी माफिया बेलगाम होता है, जिसे नेताओं का प्रश्रय मिलता है। शहरों में झुग्गी बस्तियों का निर्माण शहरीकरण की नीतियों में विसंगतियों का परिणाम है। शहरों के विस्तार और विशेष रूप से आवासीय योजनाओं को आगे बढ़ाने के क्रम में कामगारों, घरेलू एवं कार्यालय सहायकों और फुटपाथ के दुकानदारों के रहने की चिंता मुश्किल से ही की जाती है। इसी कारण वे कई बार मजबूरी में झुग्गी बस्तियों में अपना ठिकाना बनाने को विवश होते हैं। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि शहरों के संचालन में सहायक बनने वाली इस आबादी के लिए आवासीय योजनाएं बनाएं बगैर झुग्गी बस्तियों से मुक्ति नहीं मिलने वाली। केवल अतिक्रमण हटाना ही समस्या का हल नहीं। इसके साथ यह भी देखना होगा कि नए सिरे से अतिक्रमण न होने पाए। यह स्वागतयोग्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने संदर्भित मामलों की सुनवाई करते हुए यह कहा कि अतिक्रमण करने वालों को छह महीने तक दो-दो हजार रुपये मुआवजा दिया जाए, लेकिन आवश्यकता ऐसी नीतियों के निर्माण की भी है, जो सार्वजनिक जमीनों पर अतिक्रमण के कारणों का निवारण कर सकें।

वास्तव में जब तक ऐसे अधिकारियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक अतिक्रमण से छुटकारा मिलने वाला नहीं। यह समस्या कितनी गंभीर है, इसे इससे समझा जा सकता है कि कई शहरों में रेल पटरियों के किनारे अतिक्रमण के कारण रेलवे की प्रस्तावित परियोजनाएं पूरी नहीं हो पा रही हैं।

संपादकीय

भाजपा की बी टीम क्यों बनना चाहती है, तृणमूल?

कोलकाता नगर निगम के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की वोट की इस बार पिछले मौकों से भी ज्यादा खुली लूट का संबंध, ममता बैनर्जी की इसकी चिंता से भी है कि कैसे पश्चिम बंगाल पर अपने पूरे-पूरे नियंत्रण का प्रदर्शन करें, ताकि प्रधानमंत्री पद के लिए उनके दावे का वजन बढ़ सके। लेकिन, जनता के विश्वास की जगह, सत्ता को जीतने पर भरोसा करने की ठीक यही गलती तो तानाशाही मिजाज की पार्टियां अक्सर करती हैं और यही गलती है जो अंततः जनता के संघ-भाजपा के मौजूदा मोदी निजाम के हटाने का रास्ता बनाएगी। अचरज की बात नहीं है कि कोलकाता नगर निगम के एकदम हाल में हुए चुनाव में, बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने वही किया है, जो 2011 में राज्य में सत्ता में आने के बाद से आम तौर पर सभी चुनावों में और स्थानीय निकायों के चुनावों में और भी ज्यादा दीदादिलेरी से करती आई है। सूत्र रूप में कहें तो-चुनाव की या जनादेश की लूट! जाहिर है कि चूंकि विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों के विपरीत, विभिन्न स्तरों पर स्थानीय निकायों के चुनाव, राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराए जाते हैं, जिसे सारे नियम-कायदों को ताक पर रखकर तृणमूल कांग्रेस ने करीब-करीब प्रत्यक्ष रूप से अपने अंगूठे के नीचे कर रखा है, जनादेश की लूट ज्यादा दीदादिलेरी से होती है। फिर भी इस बार, कोलकाता नगर निगम के चुनावों की लूट में, तृणमूल कांग्रेस ने खुद अपना ही पिछला रिकार्ड भी तोड़ दिया गया लगता है। विपक्षी उम्मीदवारों के साथ मारपीट से लेकर, हिंसा के जरिए अधिकांश मतदान केंद्रों को विपक्षी चुनाव एजेंट-मुक्त कराने और मतदान केंद्रों पर कब्जे से लेकर मतदान केंद्रों को जाम करने तक के जरिए, जैनुइन मतदाताओं को वोट ही नहीं डालने देने तक, सब कुछ इतने बड़े पैमाने पर हुआ है कि शायद पहली बार ही विपक्ष को करीब-करीब पूरा का पूरा चुनाव ही निरस्त कर के, दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग करनी पड़ी है। और यह मांग करने में शब्दशः सारा विपक्ष शामिल है—केंद्र में सत्ताधारी भाजपा से लेकर, कांग्रेस तथा वामपंथ तक, सारा का सारा विपक्ष। बेशक, स्थानीय निकायों के चुनावों में सत्ताधारी पार्टियों द्वारा गड़बड़ी किए जाने के आरोप कोई नये नहीं हैं। तीन-स्तरीय पंचायती राज प्रणाली के चुनावों के सत्ताधारी पार्टियों के पक्ष में प्रभावित किए जाने के आरोप तो और भी ज्यादा लगते रहे हैं क्योंकि शहरी निकायों में मीडिया की अपेक्षाकृत ज्यादा उपस्थिति के चलते, उनके चुनाव में वैसे खुली धांधली अपेक्षाकृत मुश्किल या सत्ताधारी पार्टी की छवि के लिए कुछ महंगी साबित होती है। यह दूसरी बात है कि तृणमूल कांग्रेस ने शुरू से ही, चूंकि उसका मुकाबला मुख्यतः वामपंथ से था, जिसे हिंसा से दबाए जाने को सत्ताधारी वर्ग से जुड़ी पार्टियों से लेकर मीडिया तक से आसानी मूक अनुमोदन मिल सकता था, शहरी व ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव में धांधली को, सीधे चुनाव की लूट के मुकाम तक पहुंचा दिया था। इस लूट की ओर एक हद तक देश तथा मीडिया का ध्यान, पिछले आम चुनाव से पहले हुए पंचायती चुनाव के समय ही गया था, जब केंद्र में सत्ता समेत तमाम संसाधनों की अपनी अनुपातहीन बढ़त के सहारे, 2016 के विधानसभाई चुनाव के बाद के दौर में भाजपा, वामपंथ को पीछे धकेल कर प्रमुख विपक्षी ताकत नजर आने लगी थी और 2018 के तीन-स्तरीय पंचायत चुनावों की तृणमूल कांग्रेस की चुनाव की लूट की चोट भाजपा पर भी पड़ने के चलते, इसमें जनतंत्र पर चोट देखी जाने लगी थी। इसका भाजपा को काफी फायदा भी मिला और 2019 के आम चुनाव तक वह बंगाल में, वामपंथ को बहुत पीछे कर, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के लिए मुख्य चुनौती की हैसियत हासिल कर चुकी थी। जाहिर है कि कम से कम वामपंथ से मुकाबले में, सत्ताधारी पार्टी द्वारा वोट की इस तरह की लूट में, तृणमूल कांग्रेस अकेली नहीं है। अपने बुनियादी वामपंथ-द्वेष और तानाशाही-प्रेम के चलते, त्रिपुरा में पहली बार सत्ता में आई भाजपा को, तृणमूल कांग्रेस से ये सारे गुर सीखने में रत्तीभर मुश्किल नहीं हुई। नतीजा यह कि शासकीय दमनकारी मशीनरी से लेकर, सत्ताधारी गुंडादलों तक की हिंसा व दमन के जरिए, विपक्ष का सामान्य काम-काज मुश्किल बनाने से लेकर, चुनावों की लूट तक, त्रिपुरा में सत्तासीन भाजपा वही सब करती आ रही है, जो बंगाल में तृणमूल कांग्रेस खासतौर पर वामपंथ तथा आम तौर पर पूरे विपक्ष के खिलाफ करती आ रही थी। अचरज नहीं कि नवंबर के आखिर में त्रिपुरा के शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव में, सत्ताधारी भाजपा ने अगरतला नगरनिगम की 100 फीसद सीटों के साथ, राज्य भर में करीब सारी सीटें जीत लीं और इस क्रम में बंगाल के बाद त्रिपुरा में पांव फैलाने की कोशिश कर रही तृणमूल कांग्रेस को, पहली बार हिंसा, दमन तथा चुनाव की लूट की वही कड़वी दवा पिलाई गई, जो वह बंगाल में दस साल से ज्यादा से विपक्ष को देती आ रही थी। महीने भर से कम में अब कोलकाता नगर निगम के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को, शेष विपक्ष के साथ-साथ भाजपा को भी वही दवा देने का मौका मिल गया है।

इंसान से ऊपर धर्म नहीं

पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले बेअदबी के दो मामलों और उन पर हुई भीड़ की हिंसा से राजनैतिक माहौल तो गर्म है ही, इसके साथ ही सांप्रदायिक माहौल भीबिगड़ने की आशंका बढ़ गई है। शनिवार शाम स्वर्ण मंदिर में %रेहरास साहिब% के पाठ के दौरान एक युवक ने मंदिर के गर्भगृह में घुसने की कोशिश। युवक की इस हरकत से नाराज संगत और सेवादारों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। अब पंजाब पुलिस ने उस युवक पर ही मौत के बाद उस पर ही धारा 307 यानी हत्या के प्रयास और धारा 295 ए यानी धार्मिक भावनाओं को भड़काने के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि अब तक मारे गए युवक की पहचान नहीं हो पाई है। और पुलिस उसकी शिनाख्त करने में ही लगी हुई है कि वो कहां से आया था, किस इरादे से आया था। अगर वह युवक जिंदा रहता, और स्वर्ण मंदिर में अवांछित गतिविधियों के आरोप में उसे खुद सजा न देकर पुलिस के हवाले किया जाता तो युवक की पहचान भी उजागर हो जाती और स्वर्ण मंदिर की धार्मिक गतिविधियों में छेड़छाड़ की नीयत का पता भी लग जाता। लेकिन अब इन सवालों के जवाब शायद ही मिल पाएं। अमृतसर की इस घटना के एक दिन बाद ही पंजाब के कपूरथला में एक और युवक को निशान साहिब से बेअदबी के आरोप में भीड़ ने पीट कर मार दिया। जबकि पुलिस का कहना है कि वह चोरी के इरादे से आया था। यानी वह युवक भी पकड़ा जाता तो और उस पर चोरी के इल्जाम साबित होते तो उसे चाहे जो सजा मिलती, सजा-ए-मौत तो नहीं होती।

धर्म की रक्षा करते-करते इंसान कब खुद भक्षक बन जाता है, इसका पता ही नहीं चलता। लेकिन पंजाब में पिछले दिनों जो घटनाएं घटीं, कम से कम कोई ईश्वर, कोई गुरु, कोई धार्मिक ग्रंथ ऐसी शिक्षा तो नहीं देता है कि एक इंसान के पीछे खून की प्यासी भीड़ लग जाए। कुछ वक्त पहले ऐसी ही क्रूरता हमने पाकिस्तान में देखी थी। जहां पवित्र कुरआन वाले पोस्टर हटाने के आरोप में एक श्रीलंकाई नागरिक को भीड़ ने बेहद क्रूरता के साथ मार दिया था। हम कई मामलों में खुद को पाकिस्तान से बेहतर मानते हैं, लेकिन धर्म के नाम पर जो कट्टरता वहां फैल चुकी है, अब उसी का प्रसार यहां भी हो चुका है। पिछले कुछ वर्षों में गोकशी, गौ तस्करी, धर्मांतरण जैसे आरोपों पर अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा की कई वारदात हुई हैं। भीड़ कभी निर्दोष इंसानों को जलाकर मार देती, कभी पत्थरों से कुचलती और इस तरह अपने धर्म का झंडा ऊंचा लहराने की कोशिश करती। हालांकि इसमें इंसानियत कितने नीचे गिरती है, यह देखने की फुर्सत किसी को नहीं है। इस मामले में कानून भी लाचार नजर आता, क्योंकि जिन लोगों पर कानून के पालन की जिम्मेदारी है, वो खुद धर्म को कठपुतली बनाकर जनता को नचा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुरुआती दौर में कुछेक बार सांप्रदायिक सद्भाव की बातें कही थीं, उसके बाद उनकी आंखों के सामने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता रहा और वे कपड़ों से उनकी शिनाख्त की बात करते रहे। इस मामले में कांग्रेस से उम्मीदें हैं कि वह कम से कम धर्म के नाम पर होने वाली इस अविचारित हिंसा को रोकेगी। लेकिन पंजाब मामले में उसने निराश ही किया है। पंजाब में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से लेकर विपक्ष के तमाम नेताओं ने स्वर्ण मंदिर में बेअदबी की कोशिश की निंदा की है। कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने तो अपने बड़बोलेपन का परिचय देते हुए कहा कि बेअदबी कहीं हो, चाहे कुरान शरीफ की हो, चाहे भागवद गीता की हो, चाहे श्री गुरुग्रंथ साहिब की हो। बेअदबी करने वालों को लोगों के सामने लाकर फांसी लगा देनी चाहिए। उन्हें इस संविधान की सबसे बड़ी सजा देनी चाहिए। ठीक है कि सिद्धू ने सभी धर्मों के पवित्र ग्रंथों की रक्षा की बात की। लेकिन उन्हें ये भी बताना चाहिए था कि जिस संविधान की बात उन्होंने की, क्या वह भीड़ को किसी की जान लेने की इजाज़त देता है। इसी तरह मुख्यमंत्री समेत तमाम नेताओं को यह बात स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भीड़ की हिंसा उन्हें मंजूर है।

पवित्र ग्रंथों की, धार्मिक प्रतीकों की, महापुरुषों की, दूसरों की धार्मिक भावनाओं की इज्जत करना सभी का फर्ज है। जो इस फर्ज को न निभाए, उसे कानून के हिसाब से सजा भी मिलनी चाहिए। लेकिन लोगों को खुद सजा नहीं देनी चाहिए। पंजाब में कांग्रेस सरकार अगर यह संदेश लोगों को देती तो इससे उसकी साख कम नहीं हो जाती। लेकिन धार्मिक भावनाओं को वोट के तराजू के तौलने के फेर में कांग्रेस ऐसा नहीं कर पाई।

अगर वह युवक जिंदा रहता, और स्वर्ण मंदिर में अवांछित गतिविधियों के आरोप में उसे खुद सजा न देकर पुलिस के हवाले किया जाता तो युवक की पहचान भी उजागर हो जाती और स्वर्ण मंदिर की धार्मिक गतिविधियों में छेड़छाड़ की नीयत का पता भी लग जाता।

स्वर्ण मंदिर परिसर में लिंचिंग

वह व्यक्ति भीड़ की हिंसा का शिकार हुआ। उसके साथ गलत हुआ, लेकिन पंजाब की सरकार और पुलिस ने जो किया, वह तो भीड़ की हिंसा से भी ज्यादा आपत्तिजनक है। भीड़ तो अपना आपा खो चुकी थी, लेकिन पंजाब सरकार और पुलिस ने तो आपा नहीं खोया था। उसने मारे गए व्यक्ति के ऊपर ही मुकदमा कर दिया। इससे ज्यादा ऊटपटांग बात और क्या हो सकती है? जो व्यक्ति जिंदा ही नहीं है और जिसकी पहचान भी स्थापित नहीं है, उस पर आप मुकदमा करेंगे। पंजाब से बहुत ही दर्दनाक घटनाओं की खबरें आ रही हैं। एक घटना अमृतसर की है, तो दूसरी कपूरथला की। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वह व्यक्ति कौन था, इसका भी पता नहीं। सिर्फ यह कहा जा रहा है कि वह उत्तर प्रदेश का था। लेकिन यह जानकारी भी पुष्ट नहीं है। उस पर आरोप है कि वह गुरु ग्रंथ साहब की बेअदबी करना चाह रहा था। घटना से पहले वह पाठ सुन रहा था। उस पर आरोप है कि एकाएक वह उठा और रेलिंग पार कर उस ओर पहुंच गया, जहां सिर्फ पाठ करने वाले ग्रंथी ही जाते हैं। जिस वर्जित इलाके में वह अनधिकृत तौर पर गया, वहां गुरु ग्रंथ साहिब रखा होता है। वहीं एक सुनहरी तलवार भी है। एक वर्सन के अनुसार, वह तलवार उठाने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया और दूसरे वर्सन के अनुसार वह तलवार उठा चुका था और गुरु ग्रंथ साहब के साथ बेअदबी करने वाला था। इन दोनों वर्सनों में जो भी सही हो, उसकी हत्या अत्यंत ही निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उसने जो किया, वह तो गलत था ही, क्योंकि उसे लोगों की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंचानी चाहिए थी और उसे वैसा कुछ नहीं करना चाहिए था, जो सिख धर्म के खिलाफ हो। लेकिन उसके साथ जो हुआ वह तो और भी गलत था। उसकी हत्या किए जाने को कोई भी वाजिब नहीं ठहरा सकता। सिख धर्म प्रेम का धर्म है। इसके संस्थापक गुरु नानक देव जी प्रेम की पुजारी थे, और गुरुद्वारों में प्रेम का पाठ ही किया जाता है। इस पृष्ठभूमि में किसी बेअदबी करने वाले के साथ इस तरह का व्यवहार प्रेम और भक्ति के सिद्धांतों के खिलाफ है। और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह वास्तव में बेअदबी करना चाहता था या मानसिक रूप से वह विक्षिप्त था और उसे पता ही नहीं था कि वह सही कर रहा था या गलत। यदि वह किसी ऐसे गिरोह का सदस्य था, जो सिखों की धार्मिक आस्थाओं पर चोट कर रहा हो, तब भी उसकी हत्या बिल्कुल गलत थी। पहली बात तो यह है कि हमारे देश का संविधान और कानून किसी हत्या की इजाजत किसी को नहीं देते। दूसरी बात यह है कि यदि वास्तव में वह किसी सिखविरोधी गिरोह का सदस्य था, तो उस गिरोह के बारे में पता उसे जिंदा रखकर ही लगाया जा सकता है। अब पंजाब की सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम को गठन किया गया है, जो पता करेगा कि उस बेअदबी के पीछे कौन था। जब वह व्यक्ति जिंदा ही नहीं रहा, तो फिर टीम को पता कैसे चलेगा कि उसके पीछे कोई गिरोह भी था या वह व्यक्ति दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण वह काम कर रहा था।

वह व्यक्ति भीड़ की हिंसा का शिकार हुआ। उसके साथ गलत हुआ, लेकिन पंजाब की सरकार और पुलिस ने जो किया, वह तो भीड़ की हिंसा से भी ज्यादा आपत्तिजनक है। भीड़ तो अपना आपा खो चुकी थी, लेकिन पंजाब सरकार और पुलिस ने तो आपा नहीं खोया था। उसने मारे गए व्यक्ति के ऊपर ही मुकदमा कर दिया। इससे ज्यादा ऊटपटांग बात और क्या हो सकती है? जो व्यक्ति जिंदा ही नहीं है और जिसकी पहचान भी स्थापित नहीं है, उस पर आप मुकदमा करेंगे और जो जिंदा ही नहीं है, उसे कौन सी सजा दी जाएगी? आखिर यह बेतुकापन क्यों? क्या इसलिए कि पंजाब में चुनाव होने जा रहे हैं और चन्नी की सरकार दिखाना चाहती है कि वे सिखों की भावनाओं को लेकर बहुत ही सजग और चिंतित है। पंजाब सरकार ही नहीं, पंजाब के विपक्ष की भूमिका भी सही नहीं है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल हो या शिरोमणि अकाली दल के शीर्ष नेता प्रकाश सिंह बादल- सभी एक स्वर में बोल रहे हैं। कोई भीड़ द्वारा की गई हत्या की निंदा नहीं कर रहा है। सभी बेअदबी को लेकर चिंतित हैं। बेअदबी को लेकर चिंतित हों, यह अच्छी बात है, लेकिन स्वर्ण मंदिर परिसर में कानून की भी तो बेअदबी हुई है। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होनी चाहिए? मृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर की उस घटना के बाद कपूरथला के एक गुरुदारे में भी एक व्यक्ति भीड़ की हिंसा का शिकार हुआ और मारा गया। उसके बारे में भी कुछ पता नहीं चला है। सिर्फ यह बताया जा रहा है कि वह दिल्ली का था। उसने यह बात पकड़े जाने के बाद खुद बताई थी। उसके बारे में गौर करने की बात यह है कि वह गुरुद्वारे के अंदर से नहीं बल्कि उसके बाहर से पकड़ा गया था। गुरुद्वारे के लोगों के अनुसार कोई व्यक्ति सुबह गुरुद्वारे में घुसा था। उसका इरादा बेअदबी या चोरी का रहा होगा। फिर गुरुद्वारे के लोगों ने हल्ला कर बाहर के लोगों का भी बुलाया और वह उस व्यक्ति को ढूंढ़ने लगे, जो गुरुद्वारे के अंदर घुसा था। अंदर तो कोई नहीं मिला, बाहर से किसी को पकड़ लिया और मान लिया कि वह अंदर घुसा था। उसके बाद उसकी पिटाई की और विडियो बनाया। विडियो देखकर और लोग भी आए। पुलिस भी आई। पुलिस ने उस व्यक्ति को बचाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उसे बचाने का मौका ही नहीं दिया। जब उस व्यक्ति की मौत हो गई, तभी पुलिस उसे अपने कब्जे में कर सकी और अस्पताल ले गई, जहां उसे पहले से ही मृत घोषित कर दिया।

भारतीय इतिहास का अहम पड़ाव है काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण

अनुराग सिंह ठाकुर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 13 दिसंबर को काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया। यह अनूठी परियोजना काशी जैसे सभ्यता के प्रतीक शहर और ऐतिहासिक काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए सर्वथा उपयुक्त है। काशी के महत्व और प्राचीनता के बारे में मार्क ट्वेन ने लिखा था, 'बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, पौराणिक कथाओं से भी पुराना है और इन सभी को मिलाने से जितनी प्राचीनता हो सकती है, यह शहर उससे भी दोगुना प्राचीन है।' परियोजना के उद्घाटन के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के सबसे प्राचीन अस्तित्व वाले शहरों में से एक और हिंदू धर्म तथा सदियों पुरानी हमारी सभ्यता के केंद्र, काशी या वाराणसी को दुनिया को फिर से समर्पित किया।

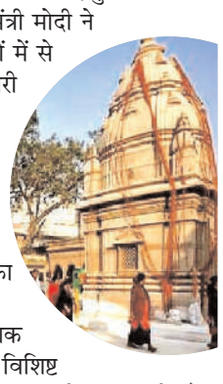

प्राचीनता और निरंतरता का अद्भुत मिश्रण, काशी पूरी मानवता की धरोहर है। इसे दुनिया का सबसे प्राचीन और एक ऐसा शहर माना जाता है, जो सदियों से लोगों का निवास स्थान रहा है। जहां दुनिया के अन्य प्राचीन शहर साम्राज्यवादी और औपनिवेशिक हमलों में ध्वस्त हो गए, वहीं काशी अपने विशिष्ट उत्साह के साथ गतिमान है। यह शहर को वास्तव में महत्वपूर्ण और अद्वितीय बनाता है। अपनी निरंतरता के माध्यम से यह शहर बर्बर आक्रमणों और हमलों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक, कलात्मक और शैक्षिक पहचान को बनाए रखने के लिए अपनी दृढ़ सहनशीलता का परिचय देता है। काशी विश्वनाथ धाम इस शहर पर हुए अत्याचार से भरे अतीत से ऊपर उठने की एक पवित्र प्रतिज्ञा को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में यह इस भूमि की सदियों पुरानी आध्यात्मिक, शैक्षिक और रचनात्मक विरासत को फिर से जीवंत करने का एक विनम्र प्रयास है। इस धाम के रूप में इतिहास ने नया

क्रिसमस पर करने वाली हैं हाउस पार्टी तो इन तरीकों से सजाए अपना घर

युवाओं के बीच क्रिसमस के त्योहार को लेकर काफी क्रेज देखने को मिलता है। इसकी मुख्य वजह एक ये भी है, इस दिन लोग पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं। इस दिन दोस्तों के संग पार्टी एन्जॉय करने का भरपूर मौका मिलता है, हालांकि, मौजूदा समय के देखते हुए लोग अब हाउस पार्टी ज्यादा करते हैं। बता दें कि घर पर चीजों को सही तरीके से अरेंज किया जाए तो हाउस पार्टी की रौनक बढ़ जाती है। इस साल भी आप क्रिसमस के लिए हाउस पार्टी

क्रिसमस के दिन हाउस पार्टी करने की प्लानिंग हैं तो अपने घर को एक खूबसूरत लुक दें। आप चाहें तो यहां बताए गए डेकोरेशन आइडियाज को देख सकती हैं।

करने की सोच रही हैं तो अपने घर को एक अलग लुक जरूर दें।
वहीं हाउस पार्टी में क्रिसमस की फील आए, इसके जरूरी है कि आप उसी अनुसार से घर की डेकोरेशन करें। बता दें कि सिर्फ क्रिसमस ट्री से ही घर की रौनक नहीं बढ़ाई जा सकती बल्कि इसके साथ आपको कई अलग-अलग आइडियाज फॉलो करने की आवश्यकता है। कुछ ऐसे आइडियाज यहां शेयर कर रहे हैं, जिसे देखते हुए आप भी अपने घर को एक खूबसूरत लुक दें सकती हैं। इस बार क्रिसमस हाउस पार्टी में कुछ अलग करना चाहती हैं तो पहले अपने घर को जरूर डेकोरेट करें।

ग्लास लाइट का इस्तेमाल

इन दिनों घर को डेकोरेट करने के लिए ग्लास लाइट का इस्तेमाल खूब किया जा सकता है। इसे आप ना सिर्फ हाउस पार्टी में बल्कि फेस्टिव सीजन में भी घर की रौनक बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। आजकल ग्लास लाइट में आपको कई वैरायटी मिल जाएंगे, लेकिन आप क्रिसमस के मौके के लिए लेना चाहती हैं तो व्हाइट या फिर रेड कलर के ग्लास लाइट का ही उपयोग करें। हालांकि, इसे इस्तेमाल करने से पहले यह डिसाइड करें कि आप घर के कौन सी जगह पर पार्टी करने वाली हैं। उसके बाद एक ऐसा कोना तय करें, जहां से ये लाइट्स अच्छी लग सकती हैं। ऊपर हैंग करते हुए इन लाइट्स को लगा लें।

क्रिसमस ट्री को डेकोरेट करें

हाउस पार्टी में क्रिसमस ट्री को डिफरेंट लुक दें, ताकि यह घर की रौनक बढ़ाए। दरअसल, कई बार पार्टी के दौरान क्रिसमस ट्री को एक कोने पर रख दिया जाता है। ऐसा ना करें, बल्कि उसे रिबन, ऑर्नामेंट्स से डेकोरेट कर दें। कोशिश करें कि अपने दोस्तों के लिए छोटे-छोटे मैसेज नोट क्रिसमस ट्री पर लगा दें। यह आपकी हाउस पार्टी के लिए यूनिक हो सकता है। दरअसल, हाउस पार्टी में बुलाने वाले दोस्तों से कुछ कहना चाहती हैं तो यह तरीका बेस्ट है।

फेयरी लाइट्स का इस्तेमाल

फेयरी लाइट्स आम दिनों में भी कमरे को डेकोरेट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप चाहें तो आर्टिफिशियल फ्लावर के साथ अटैच करते हुए फेयरी लाइट्स को घर के गैलरी या फिर बालकनी वाले हिस्से को डेकोरेट कर सकती हैं। दरअसल, पार्टी के दौरान कई लोग फोटो लेना पसंद करते हैं, ऐसे में घर का एक कोना ऐसा बनाएं, जो फोटो सेशन के लिए बेस्ट हो। उस जगह को आप फेयरी लाइट के अलावा अन्य कलर फुल लाइटों का भी इस्तेमाल कर डेकोरेट कर सकती हैं।

डाइनिंग टेबल को दें पार्टी टच

हाउस पार्टी में खाने की व्यवस्था भी होती है, ऐसे में खाली टेबल की जगह उसे फेस्टिव टच दें। फ्लावर पॉट के अलावा आप कैंडल जैसी चीजों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। रेड टेबल क्लॉथ के अलावा फैंसी कैंडल भी देखने में काफी अच्छे लगेंगे। कोशिश करें कि पार्टी की थीम के अनुसार डाइनिंग टेबल को डेकोरेट करें।

कमरे में बनाएं सांता क्लॉस

क्रिसमस पार्टी बिना सांता क्लॉज के नहीं हो सकता है। बैलून के साथ सांता क्लॉज बनाएं। हालांकि, इन दिनों मार्केट में सांता क्लॉज के स्टैचू मिलते हैं, उसे भी चाहें तो घर के डेकोरेशन का एक हिस्सा बना सकती हैं। घर के मेन गेट या फिर हॉल के एंट्री गेट पर लगाना बेस्ट ऑप्शन रहेगा। अगर आप उसके साथ बैलून लगा रही हैं तो व्हाइट और रेड कलर के बैलून को ही चूज करें। यह देखने में भी अच्छा लगेगा और कमरे को हैप्पी प्लेस बनाएगा।

कहते हैं कि अखबार की उम्र सिर्फ एक दिन की ही होती है। जैसे ही दिन गुजरता है तो अखबार पुराना हो जाता है और उसे रद्दी के ढेर में रख दिया जाता है। महीना खत्म होते-होते अखबार का एक अच्छा खासा कलेक्शन आपके पास होता है और आपको समझ नहीं आता कि इनका क्या करें। ऐसे में इन्हें रद्दी में बेचने के अलावा आपको दूसरा कोई ऑप्शन नजर नहीं आता। अगर आप भी अब तक ऐसा ही करती आई हैं तो अब ऐसा करना बंद करें।

अखबार पुराना हुआ है बेकार नहीं कई तरह से कर सकती हैं इस्तेमाल

सुबह का समय हो और चाय के साथ अगर अखबार मिल जाए तो यकीनन पूरा दिन ही बन जाता है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में भी लोग अखबार पढ़ना काफी पसंद करते हैं। लेकिन कहते हैं कि अखबार की उम्र सिर्फ एक दिन की ही होती है। जैसे ही दिन गुजरता है तो अखबार पुराना हो जाता है और उसे रद्दी के ढेर में रख दिया जाता है। महीना खत्म होते-होते अखबार का एक अच्छा खासा कलेक्शन आपके पास होता है और आपको समझ नहीं आता कि इनका क्या करें। ऐसे में इन्हें रद्दी में बेचने के अलावा आपको दूसरा कोई ऑप्शन नजर नहीं आता। अगर आप भी अब तक ऐसा ही करती आई हैं तो अब ऐसा करना बंद करें। अखबार में लिखी खबरों की उम्र भले ही एक दिन की हो लेकिन इससे उसका महत्व कम नहीं होता। अखबार घर में आपके कई कामों में आपका हाथ बंटा सकता है और आपकी कई छोटी-बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है।

सफाई खिड़की की

खिड़की की सफाई के लिए अक्सर आप घर में कपड़े का इस्तेमाल करती होंगी। लेकिन इससे खिड़की की सफाई ठीक तरह से नहीं हो पाती। अगर आप भी कपड़े से सफाई करके परेशान हो गई हैं तो एक बार अखबार का इस्तेमाल करके देखें। इससे खिड़की पर मौजूद मॉइश्चर तो दूर होता है ही, साथ ही खिड़की भी चमक उठती है। खिड़की की सफाई के लिए आप सिरके में पानी मिलाकर खिड़की पर स्प्रे करें और फिर अखबार का इस्तेमाल करें। वैसे आप खिड़की के अतिरिक्त कांच के अन्य सामान को भी साफ कर सकती हैं।

बिछाएं शेल्फ पर

चूंकि अखबार नमी को बेहतरीन तरीके से अवशोषित करते हैं, इसलिए अखबार को शेल्फ पर बिछाना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप अपने घर की विभिन्न जगहों जैसे किचन कैबिनेट, ड्रेसर, पेंट्री, बाथरूम अलमारियों आदि पर बिछा सकती हैं। इसके अतिरिक्त अखबार को फ्रिज की वेजिटेबल ड्रॉअर पर भी बिछाएं। इससे सब्जी जल्दी खराब नहीं होगी। अलमारी पर अखबार बिछाने के बाद समय-समय पर उसे चेंज करती रहें।

ग्रिल क्लीनर

अगर आपके पास इतना समय नहीं है कि आप ग्रिल को क्लीन करें। तो ऐसे में आप ग्रिल के इस्तेमाल के बाद उसे बंद करें और उसे ठंडा करें। इसके बाद आप ग्रिल के अंदरूनी हिस्से और बाहरी हिस्से पर पानी की कुछ बूँदें स्प्रे करें। इसके बाद अखबार की मदद से इसे साफ करें। आपका ग्रिल क्लीनर एकदम साफ हो जाएगा।

पैकिंग में मददगार

अखबार का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आपकी पैकिंग में काफी मदद करता है। अगर आप कहीं शिफ्ट कर रही हैं और आपको नाजुक सामान के टूटने की चिंता है तो आप कांच के सामान के भीतर अखबार रखें और बाहर से भी अखबार से लपेटें। इससे उनके टूटने की संभावना काफी हद तक कम हो जाएगी। साथ ही आप गिफ्ट रैपिंग में भी अखबार का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बच्चे का पढ़ाई में नहीं लगता मन? इन टिप्स से बूस्ट करें कंसंट्रेशन पावर

अक्सर बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगवाना मुश्किल होता है। क्योंकि पढ़ने के लिए बैठते ही कभी बच्चों को टॉयलेट की याद आती है तो कभी भूख लग जाती है। कुछ बच्चों की आदत होता है कि वह पढ़ाई से अपना मन चुराते दिखाई देते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर कंसंट्रेशन को बढ़ाना एक परेशानी भरा काम है, खासकर तब, जब वह बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर आपके घर में ऐसा है, तो आपको कुछ टिप्स जानने की जरूरत है जिससे आप अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

माहौल बनाएं

कई माता-पिता की आदत होती है कि बच्चे की बात सुने बिना वह बच्चे को बस पढ़ने बैठा देते हैं। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता है। ऐसे में बच्चे को क्लासरूम में भेजने से पहले आपको कुछ ऐसा करना होगा जो बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करें। इसके लिए आप कुछ आकर्षक स्टेशनरी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को खूबसूरत स्टेशनरी से भरा हॉबी बैग दे सकते हैं।

टू-डू लिस्ट

बच्चे इस बात को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं कि वह आज पूरा दिन कैसे बिताएंगे। ऐसे में आप शुरूआत से ही उन्हें एक टू-डू लिस्ट बनाने की आदत डालें। ऐसा करने से वह समय-समय पर वहीं काम करेंगे। साथ ही ऐसा करना उनके लिए काफी एक्साइटिंग भी होगा। साथ ही ऐसे में उनकी कंसंट्रेशन पावर भी बढ़ेगी।

फ्लोचार्ट और लाइफ लर्निंग

आप अपने घर में टेक्सचर प्रिंटेड बुलेटिन बोर्ड लगवा सकते हैं। इसे देखने से भी आपके बच्चे का ध्यान आकर्षित होगा। इस बोर्ड पर आप उन चीजों को पिन कर सकते हैं जो आपने अपने बच्चे से करने को कहा है। इस पर आप कुछ इंटरेस्टिंग फोटो भी लगा सकते हैं जो बच्चे के कोर्स से जुड़ी हो जिसे जानने के लिए वह उत्सुक रहे।

व्हाइट बोर्ड और चाक बोर्ड

बाजार में इन दिनों एक बोर्ड मिल रहा है, जो एक तरफ से व्हाइट बोर्ड और दूसरी तरफ से चाक बोर्ड का काम करता है। इस तरह के बोर्ड पर पढ़ाई करना बच्चों के लिए काफी एक्साइटिंग होता है। इस पार आप उन्हें अच्छे से समझा सकते हैं। साथ ही वह भी खेल-खेल में भी इस बोर्ड के सहारे पढ़ाई कर सकते हैं।

टेबल-कुर्ची

आप बच्चों के लिए इस तरह की टेबल खरीदें जिसकी बनावट, डेस्क, स्टोरेज, लाइट आदि सब कुछ हो। अगर बच्चे की टेबल में ही सब कुछ होगा तो उन्हें सामान भी आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में वह अपनी जगह से तब ही उठेंगे जब उनकी पढ़ाई पूरी हो जाएगी!

न्यूज ब्रीफ

10 गुना तेजी से पिघल रही हिमालय की बर्फ, बूंद-बूंद को तरसेंगे भारत के करोड़ों लोगः

लंदन/नई दिल्ली

धरती पर %तीसरा ध्रुव% कहे जाने वाले हिमालय के ग्लेशियर बहुत ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। एक ताजा शोध में चेतावनी दी गई है कि एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले भारत और पाकिस्तान के करोड़ों लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस जाएंगे। शोधकर्ताओं ने पाया कि पिछले कुछ दशक में खासतौर पर सन 2000 से हिमालय के ग्लेशियर से बर्फ 10 गुना ज्यादा रफ्तार से पिघली है। बर्फ के पिघलने की यह रफ्तार लिटिल आइस एज के समय से औसतन 10 गुना ज्यादा तेज है। लिटिल आइस एज वह काल था जब बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हो रहा था। यह काल 14वीं सदी की शुरुआत से 19वीं सदी के मध्य तक हुआ। इस शोध में एक और दुखद बात यह है कि हिमालय के ग्लेशियर दुनिया के अन्य ग्लेशियर की तुलना में ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। इससे समुद्र का जलस्तर भी बढ़ रहा है।

हिमालय में बदलाव बहुत तेजी से हो रहा

बर्फ के तेजी से पिघलने की वजह से एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए खाने और ऊर्जा का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। हिमालय के पहाड़ों को अक्सर तीसरा ध्रुव कहा जाता रहा है। तीसरा ध्रुव अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद ग्लेशियर बर्फ का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है। इस शोध के लेखक डॉक्टर सिमोन कुक ने हिमालयी इलाके के लोग इस बदलाव को पहले ही महसूस करने लगे हैं जो पिछले कई सदी में हुए बदलाव से बढ़कर है।

कुक ने कहा, %यह शोध इस बात की ताजा पुष्टि है कि हिमालय में बदलाव तेजी से हो रहा है और इसका कई देशों और इलाके पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ेगा।% शोध के लिए इस दल ने हिमालय के ग्लेशियर का फिर से निर्माण किया। इसके लिए टीम ने सैटलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ग्लेशियर का 40 प्रतिशत इलाका खत्म हो गया। यह अपने चरम पर रहने के दौरान 28,000 वर्ग किलोमीटर से घटकर 19,600 वर्ग किलोमीटर पहुंच गया है।

समुद्र का जलस्तर 0.03 और 0.05 इंच तक बढ़ गया

शोधकर्ताओं ने पाया कि इस काल के दौरान 390 वर्ग किलोमीटर से 586 वर्ग किलोमीटर तक बर्फ पिघल गई। यह मध्य यूरोपीय आल्प की कुल बर्फ के बराबर है। इस बर्फ के पिघलने से दुनिया में समुद्र का जलस्तर 0.03 और 0.05 इंच तक बढ़ गया। हिमालय में भी पूर्वी इलाके में ज्यादा तेजी से बर्फ पिघल रही है जो पूर्वी नेपाल से लेकर भूटान के उत्तर तक फैला हुआ है। हिमालय के ग्लेशयिर उन जगहों पर ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं जहां पर वे झीलों के पास जाकर खत्म हो जाते हैं।

अमेरिका में ओमिक्रॉन से पहली मौत : टेक्सास में एक संक्रमित ने दम तोड़ा, बीते हफ्ते मिले कोरोना मरीजों में 73.2 फीसदी केस ओमिक्रॉन के

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट से पहली मौत हुई है। US के टेक्सास से ओमिक्रॉन संक्रमित की मौत रिपोर्ट हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस व्यक्ति ने वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगवाई थी। मृतक की उम्र 50-60 साल के बीच बताई जा रही है। अमेरिका में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, 11 दिसंबर को समाप्त हुए हफ्ते में नए कोरोना केस में 73.2 फीसदी मामले ओमिक्रॉन के हैं। यहां के नॉर्थवेस्ट, दक्षिण और मिडवेस्ट के कुछ इलाकों में यह आंकड़ा 90 फीसदी के ऊपर पहुंच गया है। US के मौजूदा राष्ट्रीय संक्रमण दर से पता चलता है कि पिछले हफ्ते ख में 6,50,000 से ज्यादा ओमिक्रॉन केस मिले हैं। वाशिंगटन, ओरेगन, इडाहो और अलास्का में ओमिक्रॉन के ज्यादा केस मिल रहे हैं। वहीं, व्हाइट हाउस ने बताया है कि फुली-वैक्सीनेटेड और बूस्टर डोज लगवा चुका स्टाफ मेंबर कोरोना पॉजिटिव मिला है। यह व्यक्ति तीन दिन पहले बाइडेन के आसपास करीब 30 मिनट तक रहा था। बाइडेन की रिपोर्ट अभी तक निगेटिव आई है। ओमिक्रॉन के चलते US में कोरोना मरीजों की तादात बहुत तेजी से बढ़ी है। इसे देखते हुए अलग-अलग इलाकों में पाबंदियां बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि, राष्ट्रपति जो बाइडेन फिलहाल लॉकडाउन लगाने की तैयारी में नहीं हैं।

डेल्टा से भी ज्यादा संक्रामक है ओमिक्रॉन

शुरुआती डेटा से पता चला है कि ओमिक्रॉन और ज्यादा संक्रामक हो सकता है। साथ ही इस पर मौजूदा वैक्सीन का असर भी कम होने की आशंका है। हालांकि, इस बात के भी संकेत मिले हैं कि डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन कम घातक होगा।

ट्रम्प ने शी जिनपिंग को हत्यारा बताया : पूर्व राष्ट्रपति बोले-

जिनपिंग ने दुनिया को बर्बाद कर दिया, बाइडेन उनसे डरते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को %हत्यारा% कहा है। फॉक्स न्यूज की मारिया बार्टिरोमो से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा- शी जिनपिंग एक हत्यारे हैं, जिन्होंने दुनिया को तबाह कर दिया। हालांकि कोरोना से पहले हमारे बीच अच्छी दोस्ती थी। इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने जो बाइडेन को भी आड़े हाथ लिया। इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा- जिनपिंग ने कोरोना फैलाकर पूरी दुनिया को तबाह कर दिया। वो एक हत्यारे हैं, लेकिन एक वक्त पर हमारे बीच बहुत अच्छे रिश्ते थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति लगातार ये आरोप लगाते रहे हैं कि कोरोना वायरस चीन की एक लैब में तैयार हुआ था, जहां से चीनी अधिकारियों के आदेश पर उसे दुनिया में फैलाया गया।

महामारी ने खत्म की शी के साथ दोस्ती

ट्रम्प ने कहा- जब कोरोना महामारी आई तो शी जिनपिंग और मेरी दोस्ती खत्म हो गई। हालांकि ट्रम्प के 2016 में सत्ता संभालने के बाद से ही अमेरिका और चीन के बीच तनातनी शुरु हो गई थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने सरकार में रहते हुई कई बार चीन पर तीखे बयान दिए थे और ट्रेड वॉर की शुरुआत की थी।

ट्रम्प के निशाने पर जिनपिंग

चीन की लैब में तैयार हुआ कोरोना वायरस

चीनी अधिकारियों के आदेश पर दुनिया में फैलाया गया

कोरोना के बाद हमारी दोस्ती खत्म हो गई

चीन के राष्ट्रपति से डरते हैं बाइडेन : ट्रम्प

जो बाइडेन को आड़े हाथ लेते हुए डोनाल्ड ट्रम्प कहा वे चीन के राष्ट्रपति से डरते हैं। यही वजह है कि उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए अपने अधिकारियों पर जोर नहीं डाला। ट्रम्प लगातार ये आरोप लगाते रहे हैं बाइडेन अमेरिका के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी उठाने लायक नहीं हैं।

क्या 2024 में वापसी कर सकते हैं ट्रम्प

क्या डोनाल्प ट्रम्प 2024 में व्हाइट हाउस में वापसी कर सकते हैं? अमेरिका की राजनीति में ये सवाल लगातार पूछा जा रहा है। हाल ही में ब्रिटेन की मार्केट रिसर्च कंपनी ङ्कश्वह्लत्रश1 ने साल 2021 के मोस्ट एडमायर्ड मेन लिस्ट जारी की थी। इस लिस्ट में डोनाल्ड ट्रम्प को जो बाइडेन से ज्यादा लोकप्रिय बताया गया है। लिस्ट में जहां ट्रम्प 13वें नंबर पर हैं, वहीं जो बाइडेन 20वें पायदान पर हैं।

स्वर्ण मंदिर हत्या के पीछे हिंदू आतंकवादी का हाथ, ब्रिटिश सिख सांसद के ट्वीट से बवाल

लंदन। ब्रिटेन की पहली सिख महिला सांसद प्रीत कौर गिल को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डालने के पीछे हिंदू आतंकवादी होने का इशारा किया है। प्रीत कौर के इस ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। इसके बाद सिख सांसद ने अपने ट्वीट को हटा दिया। भारत के ब्रिटेन स्थित उच्चायोग ने भी प्रीत कौर के इस बयान की कड़ी निंदा की है। दरअसल, प्रीत कौर गिल ने अपने ट्वीट में स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति की हत्या के पीछे एक %हिंदू आतंकवादी का हाथ होने की ओर इशारा किया था। ब्रिटिश आव्रजन अधिवक्ता हरजाप भंगल द्वारा स्वर्ण मंदिर में शनिवार को हुई कथित बेअदबी की घटना संबंधी वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लेबर पार्टी की सांसद गिल ने उनके इस संदेश पर सहमति जतायी कि यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी घटना थी।

भारतीय उच्चायोग ने इस ट्वीट की निंदा की

गिल ने जिस ट्वीट को आलोचना के बाद हटाया उसमें कहा गया था, हिंदू आतंकवादी को स्वर्ण मंदिर में सिखों के खिलाफ हिंसा के कृत्य से रोक दिया गया। इस बीच लंदन में भारतीय उच्चायोग ने भी इस ट्वीट की निंदा की है। बता दें कि पंजाब में विधानसभा चुनाव चंद महीने दूर हैं। उससे पहले एक के बाद एक गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले सामने आ रहे हैं। पहले अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में एक शख्स ने ग्रिल फांदकर बेअदबी का प्रयास किया। इसके बाद उसकी पीट-पीटकर जान ले ली गई। यह मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि कपूरथला में निशान साहिब की बेअदबी की घटना सामने आ गई। लगातार दूसरे दिन आरोपी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। गौर करने वाली बात यह है कि बेअदबी के मामले में सवाल उठने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह की कुर्सी भी चली गई थी।

फिलिपींस के तूफान से मलेशिया में बाढ़

मलेशिया के 16 राज्यों में 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर, फिलिपींस में 208 की मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज क्वालालंपुर

मलेशिया में शुक्रवार से हो रही भारी बारिश के चलते बाढ़ आ गई है। इसके चलते रविवार को 30 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए। सरकारी वेबसाइट के अनुसार, देश के 16 राज्यों और संघीय क्षेत्रों में से 8 में शनिवार को बाढ़ का जल स्तर खतरनाक स्तर चला गया है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और भी बिगड़ सकते हैं। मलेशिया में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि देशभर में नदियों में उफान, लैंड स्लाइडिंग और सुनसान सड़कों पर डूबी कारें दिखाई दे रही हैं। वहीं, देश के 15 हाईवे पर आवागमन ठप रहने सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। इससे जरूरी चीजों की कमी होने का खतरा भी पैदा हो गया है। राजधानी क्वालालंपुर से लगा राज्य सेलांगोर बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित है। यह मलेशिया का सबसे अमीर राज्य माना जाता है। यहां 10 हजार से ज्यादा लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने कहा कि फंसे हुए लोगों को आश्रय स्थलों तक पहुंचाने में मदद के लिए पुलिस, सेना और दमकल विभाग के 65 हजार से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया गया है। **दिसंबर के महीने में 10 साल की सबसे भीषण बाढ़:** दिसंबर के महीने में यह इस दशक की सबसे भीषण बाढ़ है। इसके कारण कई शहरी इलाके पानी में डूब चुके हैं। प्रमुख हाइवे बंद हैं, जिससे कई शहर दूसरे शहरों से कट गए हैं। बाढ़ के चलते हाईवे पर 5000 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं।

पोर्ट क्लैंग बंदरगाह और ट्रेन सर्विस बंद

बताया गया है कि मलेशिया में यह बाढ़ फिलिपींस में आए राय तूफान के चलते आई है। इससे मलेशिया का सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट क्लैंग पर कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां से शहर क्लैंग की ओर जाने वाली ट्रेन सेवाओं को रोक दिया गया है।

फिलिपींस में मृतकों की संख्या 208 हुई

फिलिपींस में राय तूफान की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या 208 तक पहुंच गई है। यहां तबाह हुए द्वीपों पर पानी और खाने-पीने का सामान पहुंचाने की कोशिश तेज हो गई है। यहां 30 हजार लोगों को घरों और समुद्र तट के किनारे बने रिसॉर्ट को छोड़कर जाना पड़ा है।

नई दिल्ली में सर्द सुबह लोग चाय पीते हैं और अलाव के आसपास खुद को गर्म करते हैं।

डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भाजपा संसदीय दल की बैठक के बाद भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और अन्य।

अमेरिका में महिला ने टेस्ला की कार में बच्ची को जन्म दिया, डिलीवरी के वक्त ऑटोपायलट मोड में थी कार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में महिला ने टेस्ला की ऑटोपायलट मोड में चलती कार में एक बच्चे को जन्म दिया। इस खबर के बाद कंपनी की टेक्नोलॉजी दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रही है। फिलाडेल्फिया इन्क्वायरर की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला अपने पति के साथ 3 साल के बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रहे थी, उसी वक्त कार की अगली सीट पर बच्ची को जन्म दिया। इस बच्ची को दुनिया की पहली %टेस्ला बेबी% कहा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब महिला को दर्द शुरु हुआ तो पति ने कार को ऑटोपायलट मोड पर कर दिया। जिससे उन्हें पिछली सीट पर बैठे अपने बेटे पर नजर रखने में मदद मिली और वो पत्नी का भी ख्याल रख पाए। घर से हॉस्पिटल तक ड्राइव करने में 20 मिनट लगे, लेकिन हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही महिला ने कार में बच्ची को जन्म दे दिया। हॉस्पिटल की नर्सों ने बच्ची का नाम द टेस्ला बेबी रखा है।

30 किलो डायनामाइट से उड़ा दी टेस्ला कार

टेस्ला कारें किसी न किसी वजह से अक्सर दुनिया भर में सुर्खियों में बनी रहती है। हाल ही में फिनलैंड के एक शख्स ने टेस्ला मॉडल एस सेडान कार को 30 किलोग्राम डायनामाइट से उड़ा दिया था। कार के मालिक का कहना था कि वो टेस्ला कंपनी की सर्विस से बहुत ज्यादा परेशान था। इसी तरह कुछ महीने पहले टेक्सॉस में पुलिस अधिकारियों ने टेस्ला कंपनी के ऊपर मुकदमा दायर किया था। उनका कहना था कि ऑटोपायलट मोड में चलते हुए टेस्ला कार इमरजेंसी बोर्ड पहचान नहीं पाई और उसका एक्सीडेंट हो गया। इस हादसे में कई पुलिस वाले घायल हो गए थे। 2022 में टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारें भारत में लॉन्च हो सकती हैं। कंपनी लंबे वक्त से इसके लिए तैयारी कर रही है। हालांकि लॉन्चिंग को लेकर अभी डेडलाइन तय नहीं की गई है। लेकिन दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में डीलरशिप के सेटअप के लिए कोशिश की जा रही है

न्यूज ब्रीफ

Pro Kabaddi League

ये हैं प्रो कबड्डी टीमों के मालिक, लिस्ट में सचिन तेंदुलकर भी शामिल

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग का 8वां सीजन बुधवार 22 दिसंबर से शुरू होने वाला है। कोरोना महामारी के कारण 2 साल बाद आयोजित हो रही यह लीग इस साल दर्शकों की गैरमौजूदगी में खाली स्टेडियम में खेले जाएंगी। टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों हिस्सा ले रही हैं और पहला मैच बेंगलुरु बुल्स बनाम यू मुम्बा के बीच शाम 7:30 से शुरू होगा। सभी मैच बेंगलुरु स्थित शेरेटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड में खेले जाएंगे। इस लीग में शामिल टीमों में अक्षय कुमार सहित सचिन तेंदुलकर की भी हिस्सेदारी हैं। आइए जानते हैं किस टीम के मालिक कौन हैं –

बंगाल वॉरियर्स

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार सह मालिक हैं। फ्यूचर ग्रुप की कंपनी बर्थराइट गेम्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की इस टीम में साझेदारी है।

बेंगलुरू बुल्स

भारत की सबसे सफल मीडिया प्रोडक्शन हाउस में से एक कॉस्मिक ग्लोबल मीडिया कंपनी इस टीम की मालिक है।

दबंग दिल्ली

राधा कपूर खन्ना इस टीम की मालिक हैं जो अपनी छ्वह्र ढ्ढ्ल्ल स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कंपनी के जरिए लीड करती हैं।

गुजरात जायंट्स

इस टीम को गौतम अडाणी ने खरीदा है।

हरियाणा स्टिलर्स

जेएसडब्लू ग्रुप इस टीम का मालिकाना हक रखती है। यह ग्रुप पहले भी कई टीमों को सफलतापूर्वक लीड करता रहा है।

जयपुर पिंक पैंथर्स

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और जीएस एंटरटेनमेंट इस टीम के मालिक हैं।

पटना पायरेट्स

केवीएस एनर्जी एंड स्पोर्ट्स लिमिटेड और राजेश शाह इस टीम के मालिक हैं।

पुणेरी पल्टन

कैलाश कंदपाल की लीडरशिप में इनश्योरकोट स्पोर्ट्स इस टीम का मैनजमेंट देखता है।

तमिल थलाइवाज

इस टीम में चार बड़े लोगों की हिस्सेदारी है जिसमें महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी शामिल हैं। इसके अलावा अल्लु अर्जुन, राम चरण और नीम्मगडा प्रसाद की भी साझेदारी है।

तेलुगु टाइटंस

ग्रीनको ग्रुप, एनईडी ग्रुप, कोर ग्रीन ग्रुप की इस टीम में साझेदारी है।

टीम इंडिया की मुश्किल : अफ्रीका की पिचें ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड से ज्यादा खतरनाक; बॉल तेज आती है, स्विंग और बाउंस भी होती है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया टेस्ट और वनडे सीरीज खेलने के लिए साउथ अफ्रीका पहुंच चुकी है। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 26 दिसंबर से शुरू होगा। ये सीरीज भारतीय टीम के लिए काफी अहम होने वाली है। साउथ अफ्रीका एकमात्र ऐसी टीम है जिसकी सरजमीं पर टीम इंडिया आज तक पिछले 29 सालों में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है। साउथ अफ्रीका की पिच स्विंग, गति और उछाल के लिए जानी जाती है। यहां टीम इंडिया के बल्लेबाज बहुत संघर्ष करते हैं। साउथ अफ्रीका की पिचें हमेशा से ही इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की तरह रही हैं। इंग्लैंड में बॉल स्विंग और सीम करती है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर अतिरिक्त बाउंस देखने को मिलता है। अफ्रीकी मैदानों पर गेंद स्विंग और सीम भी करती है और बाउंस भी अच्छा होता है।

AUS और ENG में मिली सफलता

एक समय हुआ करता था, जब टीम इंडिया को घर का शेर कहा जाता था, लेकिन बीते कुछ सालों में टीम इंडिया ने ये दिखा दिया है कि वो घर से बाहर जाकर भी शानदार खेल दिखा सकते हैं। भारतीय टीम ने पिछले दो ऑस्ट्रेलियाई दौरों पर सीरीज जीतकर इतिहास रचा है। श्वह्लत्र में भी इस साल टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को खासा प्रभावित किया। टीम इंडिया अब सीम और उछाल वाली पिचों पर खेलने की आदी हो गई है और इसका फायदा साउथ अफ्रीका में भी देखने को मिल सकता है। टीम के गेंदबाज अफ्रीकी कंडीशन्स का बढ़िया फायदा उठा सकते हैं। 2020-21 के ्र दौरे पर भारतीय तेज गेंदबाजों ने कुल 42 विकेट हासिल किए थे। श्वह्लत्र दौरे पर भी 61 विकेट निकाले थे।

लेग स्पिनर्स का रहा दबदबा

सा. अफ्रीका में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में टॉप-5 विदेशी गेंदबाजों में 3 स्पिनर्स के नाम आते हैं। खास बात तो ये हैं कि ये तीनों ही नाम लेग स्पिनर्स के आते हैं। ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न ने जहां 61 विकेट हासिल किए, तो टीम इंडिया के अनिल कुंबले 45 और ऑस्ट्रेलिया के ही विक्टर ग्रिमेट ने 44 विकेट अपनी झोली में डाले।

टॉप-20 में एक भारतीय बैटर नहीं

भारतीय टीम की ओर से इस दौरे पर रविचंद्रन अश्विन मुख्य स्पिनर के तौर पर गए हैं। दूसरे स्पिन गेंदबाज के रूप में टीम के पास जयंत यादव मौजूद हैं और ये दोनों ही ऑफ स्पिनर्स हैं। अफ्रीकी मैदानों पर लेग स्पिनर्स के दमदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम इंडिया को सीरीज में एक लेगी की कमी खल सकती है। साउथ अफ्रीका में अश्विन ने 3 टेस्ट खेले हैं और 46.14 की औसत के साथ सिर्फ 7 विकेट ले सके हैं। साउथ अफ्रीका में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में टॉप-20 में केवल एक गैर अफ्रीकी खिलाड़ी का नाम आता है। इंग्लैंड के वॉली हैमंड ने 15 मैचों में 1447 रन बनाए हैं। वहीं, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर एकमात्र ऐसे भारतीय बैटर हैं जिन्होंने साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर 1 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। तेंदुलकर ने साउथ अफ्रीका में 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1161 रन निकले हैं। सचिन का नाम अफ्रीकी परिस्थितियों लीडिंग रन स्कोरर में 27वें नंबर पर आता है। हालांकि, मौजूदा भारतीय टीम में कैप्टन विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे का अफ्रीकी मैदानों पर गजब का रिकॉर्ड रहा है। इस बार टीम इंडिया को हल्के में लेने में मेजबान टीम का भारी पड़ सकता है।

टीम इंडिया में नई कंट्रोवर्सी:रवि शास्त्री पर अश्विन ने लगाया आरोप, कहा-

पूर्व कोच के रवैये से मैं पूरी तरह से टूट गया था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का बड़ा बयान सामने आया है। उनका ऐसा कहना है कि 2018 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर उनके साथ अनदेखी हुई थी। अश्विन के अनुसार, उस समय वह टीम से खुद को अलग-थलग पा रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि उन्हें अकेला छोड़ दिया गया है। 2018 के दौरे पर सिडनी टेस्ट में 5 विकेट लेने वाले कुलदीप यादव को लेकर उस समय टीम के हेड कोच रहे रवि शास्त्री के बयान को लेकर अश्विन ने ये बात कही है।

शास्त्री ने कि थी कुलदीप की तारीफ

सिडनी टेस्ट में कुलदीप यादव ने पहली पारी में 5 विकेट लिए थे और अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को खासा प्रभावित किया था। कुलदीप के प्रदर्शन के बाद शास्त्री ने कहा था कि विदेशों में वह भारत के नंबर वन स्पिनर हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि हर किसी का समय आता है। उनके इस बयान को अश्विन की अनदेखी के रूप में लिया गया था। इतना ही नहीं, कुलदीप के प्रदर्शन के बाद यहां तक कहा जाने लगा था कि अश्विन सिर्फ भारतीय पिचों पर गेंदबाजी करने के लिए बने हैं।

मैंने खुद को टूटा हुआ पाया

427 टेस्ट विकेट ले चुके अश्विन ने श्वह्यश्वठ्ठ क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा- मैंने रवि भाई को काफी सम्मान दिया। हम सब ऐसा करते हैं और मेरा मानना है कि हम कुछ बातें कहते हैं और फिर उन्हें वापस ले लेते हैं, लेकिन उस एक पल में मैंने खुद को पूरी तरह से टूटा हुआ पाया। मैं कुलदीप के लिए खुश था। मैं एक पारी में 5 विकेट नहीं ले पाया हूं, लेकिन उसने लिए हैं। मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी उपलब्धि है।

अश्विन ने आगे कहा- ऑस्ट्रेलिया में जीतना वैसे ही काफी खुशी भरा था, लेकिन मुझे महसूस कराया गया कि मैं विदेशी सरजमीं पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकता। मुझे अकेला छोड़ दिया गया, तो फिर मैं कैसे टीम या टीम के साथी की सफलता की पार्टी को एन्जॉय कर पाता?

कई बार आया संन्यास का ख्याल

अश्विन ने कहा कि 2018 और 2020 के बीच ऐसा वक्त आया था, जब वह क्रिकेट से संन्यास के बारे में सोचने लगे थे। उन्होंने कहा- मुझे लगता था कि मैं काफी कोशिश कर रहा हूं, लेकिन सफल नहीं हो रहा हूं। मैं जितना ट्राई करता था, उतनी ही चीजें मुश्किल हो रही थी। अश्विन के मुताबिक, वह 6 गेंद डालते थे और उनकी सांसें फूल जाती थी। बॉडी में काफी दर्द भी होता था। उन्होंने कहा- जब घुटने का दर्द तेज होता, तो अगली गेंद पर मेरा जंप भी कम हो जाता था। जब मैं कम कूदता था, तो कंधों और पीठ के जरिए मुझे अधिक जोर लगाना होता था और फिर ऐसा करने से मैं और भी तकलीफ में खुद को डाल देता था। यही वह समय था जब लगता था कि अब मुझे इस खेल से ब्रेक ले लेना चाहिए।

विजय हजारे क्वार्टर फाइनल

केरल का सामना सेना से होगा, विदर्भ से भिड़ेगा सौराष्ट्र

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जयपुर

केरल का पलड़ा बुधवार को होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में सेना पर भारी होगा जबकि बराबरी के मुकाबले में विदर्भ और सौराष्ट्र आमने सामने होंगे। सौराष्ट्र ने सीधे अंतिम आठ में जगह बनाई जबकि विदर्भ ने प्री क्वार्टर फाइनल में त्रिपुरा को हराया। केरल और सेना सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। फैज फजल की अगुवाई वाली विदर्भ टीम को सवाई मानसिंह स्टेडियम पर होने वाले इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। इसके लिये फजल को मोर्चे से अगुवाई करनी होगी जबकि फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी। उनके अलावा गणेश सतीश, यश राठौड़, अक्षय वाडकर और अपूर्व वानखेड़े जैसे बल्लेबाज भी टीम में हैं। गेंदबाजी में यश ठाकुर और दर्शन नलकांडे ने नयी गेंद से और डैथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। ठाकुर अभी तक 18 विकेट ले चुके हैं। उन्हें आदित्य सरवटे और अक्षय वखारे जैसे स्पिनरों से सहयोग मिलेगी। दूसरी और लीग चरण में अपराजेय रही सौराष्ट्र जीत की लय कायम रखना चाहेगी। शेल्डन जैकसन, प्रेरक मांकड़, अर्पित वासवडा, समर्थ व्यास, चिराग जानी और विकेटकीपर हार्विक देसाई को इसके लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में चेतन सक्कारिया और कप्तान जयदेव उनादकट पर नजरें होंगी। दूसरे मैच में केरल के पास कप्तान संजू सैमसन और सचिन बेबी जैसे शानदार बल्लेबाज हैं।

नई दिल्ली। पिछले सत्र में चैम्पियन बनने से एक कदम दूर रह गई दबंग दिल्ली टीम को इस सप्ताह से शुरू हो रहे नये सत्र में अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी और युवाओं के जोश से खिताबी सूखे को खत्म करने की उम्मीद है। कोच कृष्ण कुमार हुड्डा और कप्तान जोगिंदर नरवाल टीम के बेहतर प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

बांग्लादेश टीम की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव : न्यूजिलैंड और बंग्लादेश के बीच खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज तय समय में

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ढाका

बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड दौरे पर है। टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट 1 से 5 जनवरी के बीच खेला जाना है। बांग्लादेश की टीम 16 दिसंबर को क्वारैंटाइन पूरा करने के बाद प्रैक्टिस शुरू कर दी थी, लेकिन उनके बॉलिंग कोच रंगना हेराथ कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद बांग्लादेश टीम को प्रैक्टिस से रोक दिया गया था। टीम वापस मैनेज्ड आइसोलेशन एंड क्वारैंटाइन सेंटर में चली गई थी। सीरीज पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। अब सभी खिलाड़ियों की रिपोर्ट निगेटिव है। इसके बाद टीम को प्रैक्टिस की अनुमति मिल गई है। बांग्लादेश टीम के निदेशक खालिद महमूद ने सोमवार को बताया, %%हमने अपना आखिरी कोरोना टेस्ट करवाया था, जिसका रिजल्ट आया और हम सभी नेगेटिव पाए गए हैं। हम कल मैनेज्ड आइसोलेशन एंड क्वारंटाइन सेंटर से बाहर आ सकते हैं और सुबह से लिंकन यूनिवर्सिटी ग्राउंड में अपनी प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं, जहां हमें जिम की सुविधा भी मिलेगी। प्रैक्टिस पूरी करने के बाद हम अपनी टीम होटल में जाएंगे।

स्वाथ्य विभाग से मंजूरी के बाद हेराथ होंगे टीम के साथ शामिल

वहीं बॉलिंग कोच रंगना हेराथ अभी टीम के खिलाड़ियों के साथ मौजूद नहीं रहेंगे। उन्हें अभी तक न्यूजीलैंड के स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंजूरी नहीं मिली है। मंजूरी मिलने के बाद ही वह टीम के साथ जुड़ सकेंगे।

सीरीज के शेड्यूल

पहला टेस्ट
1 से 5 जनवरी, टोरंगा
दूसरा टेस्ट
9 से 13 जनवरी,क्राइस्टचर्च

न्यूज ब्रीफ

2030 तक शीर्ष पर होगी भारत में कोयले की मांग

नई दिल्ली। भारत की ओर से 50 साल में नेट जीरो इकोनॉमी और अक्षय ऊर्जा क्षमता में 500 गीगावॉट की वृद्धि के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य की घोषणा के महज एक महीने बाद दो रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि देश में कोयले की प्रमुख भूमिका बनी रहेगी और इस दशक में कोयले की वैश्विक मांग में भारत अहम भूमिका निभाएगा। केंद्र सरकार के थिंक टैंक नीति आयोग ने भारत में कोयले की मांग पर अपनी हाल की रिपोर्ट में कहा है कि 2030 तक भारत में कोयले की मांग 119.2 से 132.5 करोड़ टन के बीच होगी, जिसमें मुख्य रूप से मांग बिजली क्षेत्र से आएगी। इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी ने अपनी सालाना कोयला रिपोर्ट में कहा है कि मजबूत आर्थिक वृद्धि और विद्युतीकरण बढऩे से हर साल कोयले की मांग में 4 प्रतिशत की वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में कोयले पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता इस दशक के अंत तक या इसके तुरंत बाद 250 गीगावॉट के उच्च स्तर तक पहुंच सकती है। इसमें कहा गया है कि कोयला आधारित बिजली उत्पादन कुछ साल उच्च स्तर पर रहने के बाद 2040 से कम होने लगेगा। वहीं दूसरी तरफ आईईए ने कहा कि जहां औद्योगिक मकसद से कोयले का इस्तेमाल होता है, जैसे लौह और स्टील उत्पादन का क्षेत्र, वहां ऐसी तकनीक नहीं है कि कम अवधि में कोयले का इस्तेमाल खत्म किया जा सके, जिसकी वजह से आगे कोयले की मांग और बढ़ेगी।

सीई इंफो सिस्टम्स के शेयर 53 प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। डिजिटल मैपिंग कंपनी मैपमायइंडिया की मूल फर्म सीई इंफो सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 1 सीई इंफो सिस्टम्स ने बीएसई पर निर्गम मूल्य से 53.04 फीसदी की बढ़त के साथ 1,581 रुपये पर शुरुआत की। बाद में शेयर 53.61 प्रतिशत बढ़कर 1,586.85 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 51.50 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ 1,565 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सीई इंफो सिस्टम्स लिमिटेड के आईपीओ के 154.71 गुना अभिदान मिला था।

स्नैपडील ने सेबी के पास आईपीओ के लिए आवदेन किया

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स मंच स्नैपडील ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 1,250 करोड़ रुपये का ताजा निर्गम और 3.07 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश का प्रस्ताव शामिल है। ताजा निर्गम से मिली पूंजी का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं के वित्त पोषण और सामान्य

याहू के सर्वे में खुलासा

फेसबुक रही 2021 की सबसे खराब कंपनी भड़काऊ बयान फैलाने जैसी चीजें बनी वजह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

याहू फाइनेंस की ओर से करवाए गए सर्वे में फेसबुक को दुनिया की सबसे खराब कंपनी बताया गया है। सर्वे का मकसद बड़ी कंपनियों के बारे में यूजर्स की राय जानना होता है। सबसे अच्छी और सबसे खराब कंपनियों की रैंकिंग और लिस्ट याहू की ओर से शेयर की जाती है। फेसबुक ने इस साल अपना नाम बदलकर मेटा कर दिया है और मल्टीवर्स जैसे नए प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है।

मुद्दे से भटकाने के लिए किया नाम में बदलाव

माइक्रोसॉफ्ट को माना गया बेस्ट कंपनी

सर्वे में शामिल लोगों ने माइक्रोसॉफ्ट को इस साल की बेस्ट कंपनी का खिताब दिया। वहीं, फेसबुक या फिर मेटा को सबसे खराब कंपनी मानते हुए फीडबैक दिया गया है। इसे दूसरी सबसे खराब कंपनी बनी चाइनीज ई-कॉमर्स फर्म अलीबाबा के मुकाबले, 50 फीसदी ज्यादा वोट्स मिले। ओपन एंडेड सर्वे को याहू फाइनेंस के होमपेज पर 4 दिसंबर और 5 दिसंबर को सर्वे मंकी की ओर से किया गया और 1,500 से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स ने इसमें हिस्सा लिया।

मेटा को सबसे खराब कंपनी क्यों माना गया?

इंटरनेट यूजर्स की ओर से फेसबुक या मेटा को साल की सबसे खराब कंपनी मानने के पीछे कई वजहें रहीं।
सेंसरशिप को लेकर ढेरों यूजर्स कंपनी से नाखुश हैं, जिनका मानना है कि फेसबुक पर %फ्री स्पीच% का ऑप्शन उन्हें नहीं दिया जाता। यूजर्स का मानना है कि प्लेटफॉर्म को यूजर्स को उनके विचार रखने और अपनी पसंद, नापसंद शेयर करने की पूरी स्वतंत्रता देनी चाहिए। वहीं, दूसरे यूजर्स ने इस प्लेटफॉर्म को भड़काने वाले विचार फैलाने के लिए जिम्मेदार मानता है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर डालने का आरोप

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लेकर सर्वे में शामिल इंटरनेट यूजर्स ने अलग-अलग तरह की राय दी। कंपनी पर %दुनियाभर में लोकतंत्र% को कमतर आंकने का आरोप लगा और इसे यूजर्स में निगेटिव बदलाव लाने के लिए जिम्मेदार माना गया। मेटा की ओनरशिप वाली इंस्टाग्राम ऐप पर कम उम्र वाले यूजर्स के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने के आरोप लगे हैं। कंपनी ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया ऐप्स लाने की कोशिश की, जिसे निगेटिव माना गया।

सर्वे में एक यूजर ने लिखा कि फेसबुक को गलतियां मानने और माफी मांगने की जरूरत है, इसकी ओर से हुए नुकसान को ठीक करने के लिए कंपनी को लाभ का एक हिस्सा डोनेट करना चाहिए। कुछ ने मेटा रीब्रैंडिंग को मुद्दा घुमाने से जुड़ा स्टंट माना तो वहीं बाकियों ने इसे सोशल मीडिया से जुड़ी संभावनाओं और नए मॉडल की ओर कदम की तरह स्वीकार किया। मेटा ब्रैंडिंग को लेकर सर्वे में शामिल होने वालों का रवैया मिला-जुला रहा।

फेसबुक पर विश्वास नहीं करते यूजर्स:- सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक का इतिहास यूजर्स के डाटा की सुरक्षा को लेकर अच्छा नहीं रहा है, यही वजह है कि यूजर्स इस पर भरोसा नहीं करना चाहते। मेटा के रेवेन्यू मॉडल का एक बड़ा हिस्सा यूजर्स के डाटा से जुड़ा है। ष्टश्वह्म मार्क जुकरबर्ग खुद मानते हैं कि कंपनी यूजर्स के डाटा की मदद से उन्हें विज्ञापन दिखाती है और ऐसा करना जरूरी है। कंपनी लगातार बेहतर प्राइवेसी का दावा कर रही है और नए फीचर्स ला रही है।

निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली की हवा में सुधार होते ही निर्माण व तोडफ़ोड़ कार्यों पर लगी रोक अब हटा दी गई है। प्रदूषण स्तर गिरने से गैर जरूरी सामान वाले डीजल ट्रकों के दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध भी हटा दिया गया है। प्रदूषण को रोकने के लिए लगाई गई ज्यादातर पाबंदियों में ढील दे दी गई हैं। दिल्ली में अब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 से नीचे यानी खराब श्रेणी में चला गया है। पहले यह बहुत खराब और गंभीर श्रेणी में था। राज्य के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर दीवाली के बाद प्रदूषण स्तर लगातार बढ़कर 500 तक यानी गंभीर व खतरनाक श्रेणी में चला गया था। इसे देखते हुए निर्माण व तोडफ़ोड़ कार्यों और गैर जरूरी सामान वाले डीजल ट्रकों के प्रवेश समेत अन्य प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। अब दिल्ली में प्रदूषण स्तर में सुधार दिख रहा है। बीते 10 दिनों में किसी भी दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में नहीं रहा। इसे देखते हुए अदालत द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए और कड़े कदम उठाने के लिए अधिकृत वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कड़े कदमों में ढील देना शुरू कर दिया।

मुंबई में मकानों का पंजीकरण घटा

मुंबई में नवंबर के दौरान मकानों का पंजीकरण 18 प्रतिशत घटकर 7,582 इकाई रहा। वही जनवरी-नवंबर के दौरान यह संख्या दोगुना बढ़कर 102,232 इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2020 में आवासीय पंजीकरण 7,582 इकाई रहा। जनवरी-नवंबर 2020 के दौरान 46,052 घरों का पंजीकरण किया गया। रिपोर्ट में पंजीकरण का यह आंकड़ा प्राथमिक और द्वितीयक आवासीय बाजारों दोनों में किए गए लेनदेन का है।

श्रीलंका में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी, ऋण सहायता के लिए भारत के साथ बातचीत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

श्रीलंका की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की स्थानीय सहायक इकाई ने देश में विदेशी मुद्रा भंडार के गंभीर संकट के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। दूसरी ओर सरकार ने कहा है कि भारत और ओमान के साथ ईंधन खरीद के लिए ऋण सहायता पर बातचीत की जा रही है। सरकारी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने सरकार से कीमतों में बढ़ोतरी की मांग की थी। हालांकि, सरकार ने उन्हें अक्टूबर के बाद से अब तक ईंधन की कीमतें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी थी। श्रीलंका इस समय एक गंभीर विदेशी मुद्रा संकट का सामना कर रहा है। सरकार ने कहा कि भारत और ओमान के साथ ईंधन खरीद के लिए ऋण सहायता तय करने के लिए बातचीत चल रही है।

व्यय प्रावधानों को कम नहीं आंका

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि सरकार की ओर से संसद में की गई पूरक अनुदान मांग 2021-22 के 34.8 लाख करोड़ रुपये बजट के आकार का करीब 9.6 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में 2011-12 में बजट के आकार के 8.6 प्रतिशत पूरक मांग की गई थी। सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने बजट का आकलन कम करके नहीं किया था। दूसरी पूरक अनुदान मांग पर चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में सीतारमण ने कहा कि केंद्र 2.99 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त व्यय की मांग कर रही है क्योंकि एयर इंडिया की बिक्री और उर्वरक के वैश्विक दाम बढऩे जैसे मसले आए और इससे इस साल खाद सब्सिडी में तेज बढ़ोतरी हुई। सीतारमण ने कहा, %तमाम सदस्यों ने सवाल पूछे हैं कि क्या इसबार इसलिए मांग ज्यादा है, क्योंकि बजट अनुमान में कम खर्च का अनुमान लगाया गया था? एयर इंडिया पर बड़ा खर्च हुआ है। साथ ही किसानों का मसला संवेदनशील है और हमने यह सुनिश्चित किया है कि जिंसों के वैश्विक दाम बढऩे का असर उन पर न पडऩे पाए।

एक्सिस बैंक में ओरिएंटल इंश्योरेंस सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत

नई दिल्ली

एक्सिस बैंक ने मंगलवार को कहा कि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को बैंक में प्रवर्तक श्रेणी के शेयरधारक से बदलकर सार्वजनिक श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। बैंक ने अक्टूबर में बीएसई और एनएसई के समक्ष आवेदन कर द न्यू ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को प्रवर्तक श्रेणी से बदलकर सार्वजनिक श्रेणी के रूप में वर्गीकृत करने का अनुरोध किया था। एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को बताया, ''इस संबंध में... बीएसई और एनएसई ने 20 दिसंबर, 2021 को अपने संबंधित पत्रों के जरिए उपरोक्त प्रवर्तक के प्रवर्तक श्रेणी से सार्वजनिक श्रेणी में वर्गीकरण के लिए अपनी मंजूरी दे दी।'' द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के पास एक्सिस बैंक में 30 सितंबर, 2021 तक 0.17 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

ओमीक्रोन से भयभीत बाजार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कोविड के बढ़ते मामलों से शेयरों में बिकवाली बढ़ी है, जिससे आज बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट आई। सेंसेक्स 1189 अंक या 2.09 फीसदी लुढ़ककर 55,822 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की आज की गिरावट 26 नवंबर 2021 के बाद सबसे अधिक है। दूसरी तरफ निफ्टी 371 अंक या 2.2 फीसदी फिसलकर सत्र के आखिर में 16,614 पर बंद हुआ। आज की गिरावट में निवेशकों ने 6.8 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति गंवा दी। पिछले छह सत्रों में बेंचमार्क सेंसेक्स 4 फीसदी या 2,461 अंक लुढ़का है। दुनिया भर, खास तौर पर यूरोप में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के कारण आर्थिक सुधार को लेकर चिंता बढ़ी है। विश्लेषकों ने कहा कि नई बंदिशें शुरुआती आर्थिक सुधार को पटरी से उतार सकती हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि मौजूदा टीकों के नए स्वरूप पर कम प्रभावी रहने की खबरों से भी निवेशकों की चिंता बढ़ रही है। यूरोप में कुछ देशों ने ओमीक्रोन स्वरूप के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन लगा दिए हैं, जबकि कुछ इस पर विचार कर रहे हैं। सप्ताहांत के दौरान नीदरलैंड ने 14 जनवरी तक कड़े लॉकडाउन की घोषणा कर दी और इस अवधि में सभी गैर-जरूरी दुकानों को बंद करने का आदेश दिया। इस बीच फ्रांस ने नए साल के लिए सार्वजनिक संगीत समारोहों और आतिशबाजी पर रोक लगा दी है और अपने नागरिकों से अधिक भीड़-भाड़ से बचने को कहा है। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जनता से बूस्टर खुराक लगवाने और सर्दियों के अवकाश के दौरान यात्रा करते समय आवश्यक एहतियात बरतने का का आग्रह किया है। इस समय भारत के 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ओमीक्रोन के 161 मामले हैं। वैलेटिंस एडवाइजर्स के संस्थापक ज्यातिवर्धन जयपुरिया ने कहा, %बाजारों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और मूल्यांकन काफी महंगे हैं। हमारे यहां काफी लंब समय से गिरावट नहीं आई है। बाजारों का 10 फीसदी गिरावट के बिना दोगुने स्तर पर पहुंचना बहुत दुर्लभ है। इसके अलावा ताजा खबरों ने भी निवेशकों को डरा दिया है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंक महंगाई काबू करने के लिए मौद्रिक प्रोत्साहनों को वापस ले रहे हैं। पिछले सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मासिक बॉन्ड खरीद को तेजी से घटाने की योजना की घोषणा की। इसने उम्मीद से पहले ब्याज दरों में की अपनी योजना का संकेत दिया। बैंक ऑफ इंगलैंड ब्याज दरें बढ़ाने वाला पहला प्रमुख केंद्रीय बैंक बन गया है। उसने अचानक बढ़ोतरी का कारण महंगाई को बताया है। अब तक महंगाई को अस्थायी बताने वाले केंद्रीय बैंकों के रुख में अचानक बदलाव से निवेशकों की घबराहट बढ़ गई है। अल्फानीति फिनटेक के सह-संस्थापक यूआर भाट ने कहा, %ओमीक्रोन की चिंताओं की तुलना में स्थितियां ज्यादा गंभीर होती जा रही हैं। निवेशक लॉकडाउन के आसार देख रहे हैं। इसके अलावा भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी दर्शाती है कि भारत में दरें कभी भी बढ़ सकती हैं।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी मौलानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।